CMYK

दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चूरु,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

वर्ष : 11 अंक : 108 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, शुक्रवार 08 मई, 2026 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रात्रि चौपाल से और हुए लोकप्रिय: ब्यूरोक्रेसी में आई तेज धार तो जनता के और आए करीब

बंबोरी में गुरुवार को तड़के मॉर्निंग वॉक के साथ गांव का किया भ्रमण और लोगों से फिर किया संवाद, सरकार की योजनाओं के बारे में ग्रामीणों से लिया फीडबैक तो ग्रामीणों से उनकी आकांक्षाओं और इच्छाओं के बारे में भी जाना

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। पिछले सवा दो साल में अपने उल्लेखनीय कार्यों और बड़े-बड़े फैसलों तथा विभिन्न तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से प्रदेश की जनता के दिलों पर पहले से ही राज कर रहे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अब रात्रि चौपाल के माध्यम से प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के दिलों में अपना अलग सा आशियाना बना रहे हैं । इन रात्रि चौपाल कार्यक्रमों से एक तरफ जहां प्रदेश के छोटे-बड़े सभी सरकारी विभागों में पोस्टेड अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यशैली और व्यवहार में जबरदस्त नयापन और बदलाव नजर आने लगा है तो दूसरी तरफ ग्रामीणों से सरकार की योजनाओं के बारे में तो समुचित रूप से मुख्यमंत्री को फीडबैक मिल ही रहा है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र के युवा किसान महिला मजदूर सरकार से और क्या इच्छा रखते हैं इसके बारे में भी उन्हें ग्रामीणों से मुलाकात के दौरान पर्याप्त जानकारी मिल रही है जो आगे सरकार की योजनाओं को बनाने में काफी मददगार साबित होगी। कुल मिलाकर प्रदेश के इतिहास में यह पहली बार देखने को मिला है जब प्रदेश का मुखिया एक के बाद एक गांव में जाकर ग्रामीणों के साथ एक ही जाजम पर बैठकर उनसे देर रात तक सामूहिक संवाद करता है और फिर उसी गांव में अपना रात्रि विश्राम भी कर रहा है। अपने इस नवाचार से और नए कार्यक्रम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ है तो दूसरी तरफ सरकारी अधिकारी और कर्मचारी अपनी ड्यूटी के प्रति पहले की तुलना में ज्यादा ईमानदार और गंभीर दिख रहे हैं, मुख्यमंत्री के इन रात्रि चौपाल के कार्यक्रमों से प्रदेश के प्रशासनिक हलके में एक नई जान ताकत और हलचल में पैदा कर दी है जो निश्चित रूप से प्रदेश की जनता के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी ।

मुख्यमंत्री का सहज सरल और आत्मीय अंदाज ग्रामीणों को आ रहा खूब पसंद

रात्रि चौपाल के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ग्रामीणों से इस कदर मुलाकात कर रहे हैं जैसे वे उन्हीं के परिवार के सदस्य हो उनके हाव-भाव और बोलचाल से ऐसा लग ही नहीं रहा था जैसे कोई प्रदेश का मुख्यमंत्री उनसे बात कर रहा हो इसलिए मुख्यमंत्री शर्मा का सहज सरल और मधुर व्यवहार हर किसी ग्रामीण के दिल को टच कर गया इसी वजह से ग्रामीणों ने भी अपने दिल में जो भी बात आई उस बात को खुलकर मुख्यमंत्री शर्मा को बताया

बंबोरी में गुरुवार तड़के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया मॉर्निंग वॉक और ग्रामीणों से किया संवाद

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार की देर रात तक बड़ी सादड़ी के बंबोरी गांव में ग्रामीणों के साथ कई घंटे तक चर्चा की इस चर्चा में बड़ी संख्या में किसान युवा और महिलाएं मौजूद रही। चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार की ओर से संचालित की जा रही विभिन्न तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में ग्रामीणों से फीडबैक तो लिया ही इसके अलावा इन योजनाओं के बारे में ग्रामीण क्या सोचते हैं और सरकार से उन्हें और क्या आकांक्षा और इच्छा है इसके बारे में भी ग्रामीणों से मुख्यमंत्री शर्मा ने खुलकर पूछा ग्रामीणों ने बातचीत के दौरान अपनी समस्याएं और शिकायतों का जिक्र भी किया तो दूसरी तरफ सरकार की ओर से जारी की गई विभिन्न तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं की तारीफ की बाद में मुख्यमंत्री शर्मा ने बमोरी में ही एक किसान परिवार के घर में रात्रि का भोजन किया और फिर बंबोरी गांव में ही उन्होंने रात्रि विश्राम किया। मुख्यमंत्री का यह व्यवहार और आचरण ग्रामीणों में चर्चा का विषय बना रहा क्योंकि ग्रामीणों ने कभी यह सपने में भी नहीं सोचा था कि सरकार का मुखिया एक छोटे से गांव में ग्रामीणों के साथ एक ही जाजम पर बैठकर कई देर तक बातचीत करेगा और फिर गांव में ही रात्रि विश्राम भी करेगा लेकिन बुधवार की रात जब बंबोरी के गांव वालों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को अपने गांव के एक छोटे से मकान में रात्रि विश्राम करते हुए देखा तो उनके दिल में यह भावना जरूर प्रज्वलित हो गई की भजन लाल शर्मा खुद को मुख्यमंत्री नहीं मानते बल्कि खुद को जनता का सेवक मानते हैं इसलिए इस रात्रि चौपाल के कार्यक्रम से भजनलाल शर्मा बंबोरी के ग्रामीणों में ही नहीं बल्कि प्रदेश भर के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में काफी लोकप्रिय हो गए हैं। बुधवार की रात बंबोरी में रात्रि विश्राम करने के बाद मुख्यमंत्री शर्मा ने गुरुवार की तड़के करीब 5:00 बजे गांव में ही मॉर्निंग वॉक किया और पूरे गांव का भ्रमण किया गांव का भ्रमण करने के दौरान उन्होंने गांव के किसान युवा महिलाओं से फिर बातचीत की भ्रमण के दौरान जो भी ग्रामीण उन्हें रास्ते में मिला उन सब से उन्होंने एक साधारण से इंसान की तरह मुलाकात की बाद में गुरुवार को ही मुख्यमंत्री शर्मा ने फिर से ग्रामीणों के साथ सामूहिक संवाद किया और उनसे सरकार की एक-एक योजनाओं के बारे में फिर से ग्रामीणों से फीडबैक लिया, ग्रामीणों से संवाद के दौरान ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को सरकार की ओर से रेल और हवाई जहाज के माध्यम से देश भर के विभिन्न तीर्थ स्थलों और मंदिरों का दर्शन करवाने की योजना पर प्रसन्नता जाहिर की और कई बुजुर्ग महिलाओं और लोगों ने सरकार की ओर से तीर्थ यात्रा करवाने पर मुख्यमंत्री शर्मा का गहरा आभार प्रकट किया। हालांकि संवाद कार्यक्रम में कुछ बुजुर्ग लोगों ने तीर्थ यात्रा से वंचित रहने की बात भी कही लेकिन मुख्यमंत्री शर्मा ने उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उन्हें भी हर हाल में तीर्थ यात्रा करवाएगी । मुख्यमंत्री शर्मा ने इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि ग्रामीणों से संवाद के दौरान उन्हें इस बात की काफी खुशी है कि केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार की ओर से संचालित की जा रही विभिन्न तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं का उन्हें लाभ मिल रहा है मुख्यमंत्री शर्मा ने ग्रामीणों से संवाद के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और निर्देशन से राजस्थान में हमारी सरकार किस महिला युवा मजदूर के विकास को प्राथमिकता से ले रही है और इन सबके विकास और भलाई के लिए सरकार ने पिछले 2 साल में कई तरह की बड़ी-बड़ी योजनाएं और कई ऐतिहासिक निर्णय लिए जिनका प्रदेश के किसान युवा महिला और मजदूर खूब फायदा उठा रहे हैं पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार का पूरा फोकस है कि किसान की इनकम दुगनी हो और किसान आर्थिक रूप से काफी मजबूत हो इसलिए प्रदेश घर में किसानों के खेतों के पास ही कृषक उत्पाद की प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने की दिशा में हम तेजी से कार्य कर रहे हैं ।

इसके अलावा खेती में नवाचार और आधुनिकरण पर जोर देने, जैविक खेती को बढ़ावा देने, खेतों में मिट्टी की नियमित रूप से परीक्षण करके कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार ही खेतों में फसल पैदा करने, खेती के साथ-साथ कृषक को सौर ऊर्जा उत्पादन, पशुपालन, मछली पालन, मधुमक्खी पालन इत्यादि कारोबार से जोड़ने के संदर्भ में भी सरकार के प्रयासों के बारे में ग्रामीणों को सामूहिक संवाद में मुख्यमंत्री ने बताया ।

सीकर के जाजोद में भजन लाल शर्मा का ढोल नगाड़ों से ऐतिहासिक स्वागत, रात्रि चौपाल में किसान-महिला -युवा-मजदूर से किया संवाद

रात्रि चौपाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से महिलाओं के विकास और कल्याण के लिए किए गए कार्यों के बारे में जानकारी दी और ग्रामीणों से सरकार की योजनाओं के बारे में सवाल जवाब करने के साथ साथ द उनसे सलाह और सुझाव भी लिए

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का गुरुवार को सीकर जिले के खंडेला विधानसभा क्षेत्र के जाजोद ग्राम पंचायत पहुंचने पर स्थानीय विधायक सुभाष मील के नेतृत्व में सैकड़ो लोगों ने ढोल नगाड़ों और आकर्षक नृत्य के साथ शानदार स्वागत किया। अपने अभूतपूर्व स्वागत सत्कार को देखकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा काफी खुश नजर आए और ग्रामीणों से मिले प्यार को देखकर उनकी आंखें नम हो गई, मुख्यमंत्री के इस रात्रि चौपाल कार्यक्रम को ऐतिहासिक और शानदार बनाने के लिए पिछले कुछ दिनों से स्थानीय विधायक सुभाष मील और जिला प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों की ओर से जबरदस्त तैयारी की जा रही थी । रात्रि चौपाल के लिए यहां बाकायदा भव्य और आकर्षक विशाल टेंट स्थापित किया गया है। जिला कलेक्टर आशीष मोदी और पुलिस अधीक्षक प्रवीण पिछले कुछ दिनों से लगातार यहां हर छोटी बड़ी व्यवस्थाओं को गंभीरता से चेक करते नजर आए। प्रभारी मंत्री संजय शर्मा भी इस रात्रि चौपाल को लेकर पूरी तरह से अलर्ट मोड पर नजर आ रहे थे । बीच-बीच में स्थानीय विधायक सुभाष मिल भी यहां लगातार व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे थे गुरुवार को शाम को जब मुख्यमंत्री जाजोद गांव पहुंचे तो वहां बड़ी संख्या में ग्रामीण पहले से ही जमा हो गए थे जिनमें महिलाओं किसान और युवाओं की संख्या काफी ज्यादा थी रात्रि चौपाल के इस कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री संजय शर्मा, स्थानीय विधायक सुभाष मील, सीकर के पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, विधायक गोवर्धन वर्मा पूर्व विधायक रतन जलधारी भाजपा के वरिष्ठ नेता हरिराम रणवा प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज सहित पार्टी के संगठन से जुड़े कई छोटे बड़े नेता और विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रात्रि चौपाल में मौजूद ग्रामीण और महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे यहां पर भाषण देने नहीं आए हैं बल्कि यहां पर उनके साथ संवाद करने और बातचीत करने के लिए आए हैं जिसमें वे सवाल भी पूछेंगे और रात्रि चौपाल में मौजूद लोगों से सलाह और सुझाव भी लेंगे, रात्रि चौपाल को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आजादी के बाद अब तक देश में विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारों ने शासन किया जिसमें एक दल ने देश पर कई सालों तक शासन तो किया लेकिन महिलाओं के आधारभूत समस्याओं का निवारण नहीं किया जिसकी वजह से महिलाओं को कई सालों तक शारीरिक और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ी लेकिन वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश में शासन की बागडोर हाथ में लेने के बाद उन्होंने महिलाओं की सालों से चली आ रही एक-एक समस्या और एक-एक पीड़ा को दूर करने का सिलसिला शुरू किया जिसमें पहले जहां महिलाओं को शौच सेनापति के लिए रात के अंधेरे का इंतजार करना पड़ता था या फिर सुबह जल्दी निवृत होने के लिए जंगल या खेत में जाना पड़ता था जिसमें उन्हें काफी दूर तक ही जाना पड़ता था इस पीड़ा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंभीरता से लिया और देश में हर घर में शौचालय का निर्माण करवाने का बीड़ा उठाया इसकी वजह से पूरे देश भर में आज महिलाओं को इस बड़ी पीड़ा से मुक्ति मिली है इसी तरह से मुख्यमंत्री शर्मा ने महिलाओं की एक और बड़ी पीड़ा जिसमें महिलाएं चूल्हे पर खाना बनाने के दौरान धुआं और अन्य कई पीड़ा सहनी पड़ती थी लेकिन पीएम मोदी ने उज्जवला गैस योजना लागू करके इस पीड़ा से भी महिलाओं को मुक्ति दिलाए इसी तरह से पहले जहां महिलाओं को कई किलोमीटर दूर तक पैदल चलकर सर पर पानी का मटका भर कर लाना पड़ता था मोदी ने यहां भी महिलाओं की इस पीड़ा को गंभीरता से लिया और हर घर नल हर घर जल योजना लागू करके इस पीड़ा से भी महिलाओं को मुक्ति दिलाई इसके अलावा पहले बैंकों में महिलाओं के खाते खुलते ही नहीं थे लेकिन जनधन योजना के तहत पीएम मोदी के आवाहन पर महिलाओं के बैंक अकाउंट खोले गए राजीविका के माध्यम से महिलाओं को रोजगार देकर आर्थिक रूप से मजबूत किया जा रहा है । लखपति दीदी मिलेनियम दीदी जैसी योजनाओं से महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आया है यह सारे कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच की वजह से ही संपादित हो सके इसके अलावा अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए महिला आरक्षण बिल लेकर आए थे ताकि महिलाओं को उनका अधिकार और उनका सम्मान मिल सके लेकिन कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों ने महिला आरक्षण बिल को मंजूर नहीं होने दिया लेकिन मोदी है तो मुमकिन है इसलिए जल्दी ही लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं की संख्या और ज्यादा देखने को मिलेगी उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले सवा दो साल में खेती और कृषक दोनों के विकास और भलाई के लिए भी कई बड़े निर्णय लिए हैं । पानी और बिजली के संदर्भ में भी बड़े-बड़े फैसले किए गए हैं युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने की दिशा में भी प्रदेश में राइजिंग राजस्थान प्रवासी राजस्थान दिवस समारोह इत्यादि के माध्यम से औद्योगिक माहौल बनाया गया है युवाओं के लिए युवा नीति लागू करके युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में हम तेजी से कार्य कर रहे हैं इसके लिए एक तरफ जहां युवाओं को पिछले सवा दो साल में बड़ी संख्या में सरकारी और निजी स्तर पर हमने नौकरी उपलब्ध करवाई है तो दूसरी तरफ युवाओं को उनका खुद का बिजनेस स्थापित करने के लिए मामूली ब्याज दर पर ऋण भी सरकार की ओर से उपलब्ध करवाया जा रहा है जिसके माध्यम से युवा रोजगार हासिल करने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बनने की ओर अग्रसर हो रहा है । मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सरकार ने ग्राम विकास रथ यात्रा के माध्यम से केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार की ओर से संचालित की जा रही विभिन्न तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करने का बीड़ा तो उठाया ही है इसके अलावा इस रथ यात्रा में मौजूद अधिकारी किसानों को उनकी उन्नत खेती के लिए भी उपाय और नवाचार बता रहे हैं, रथ यात्रा के दौरान किसानों को खेत की मिट्टी का नियमित रूप से परीक्षण करवाने तथा परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर ही खेत में फसल बोने खेती में आधुनिकरण और नवाचार को बढ़ावा देने जैविक खेती को बढ़ावा देने फल फ्रूट उत्पादन को बढ़ावा देने तथा खेती के साथ-साथ पशुपालन मछली पालन मुर्गी पालन सौर ऊर्जा उत्पादन इत्यादि कारोबार से किसानों को सीधा जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के बारे में भी सरकार तेजी से किसानों में जन जागृति पैदा करके उन्हें प्रेरित कर रही है सामूहिक संवाद में कई महिलाओं ने अपनी वार्षिक इनकम 1 लाख से ज्यादा बताई : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस मौके पर महिलाओं से भी सवाल जवाब किया महिलाओं ने अपने अनुभव भी मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया जिसमें कई महिलाओं ने मुख्यमंत्री को बताया कि सरकार की योजनाओं से उन्हें आर्थिक रूप से काफी ताकत मिली है और सरकार की योजना का फायदा उठाकर आज उनके परिवार में उन्हें काफी सम्मान की निगाह से देखा जाता है और उनकी आर्थिक आय हर साल एक लाख से ज्यादा हो गई है जिसकी वजह से परिवार में भी उनका काफी सम्मान होने लगा है ।

अलवर जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
08 मई, 2026

जिले के उद्यमी उद्यानिकी क्षेत्र में निवेश हेतु 'राज निवेश पोर्टल' पर करा सकते हैं पंजीकरण

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र के समग्र विकास तथा निवेश को बढावा देने के उद्देश्य से ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) 2026 का आयोजन 23 से 25 मई तक जेईसीसी सीतापुरा जयपुर में किया जाएगा। उद्यान विभाग के उप निदेशक के.एल मीना ने बताया कि उद्यानिकी क्षेत्र में निवेश की अनेक संभावनाएं है, जिसमें फल एवं सब्जी प्रसंस्करण इकाई स्थापना, सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र निर्माण इकाइयां, ग्रीन हाउस एवं शेडनेट हाउस, कोल्ड स्टोरेज, फल-सब्जियों के परिवहन हेतु सप्लाई चैन, सोलर पम्प सैट निर्माण इकाइयां तथा अन्य उद्यानिकी आधारित उद्योग शामिल है, जिनसे उद्यानिकी को प्रत्येक स्तर पर व्यापक बढावा मिल सकेगा। उन्होंने जिले के समस्त उद्यमियों अपील की है कि अपनी आर्थिक प्रगति एवं व्यापार के उज्ज्वल भविष्य के लिए उद्यानिकी क्षेत्रा में निवेश की संभावनाओं पर विचार करते हुए 'राज निवेश पोर्टल' पर पंजीकरण करा सकते हैं। अधिक जानकारी तथा मार्गदर्शन हेतु कृषि/उद्यान विभाग के जिला स्तरीय कार्यालयों में सम्पर्क करें। उन्होंने बताया कि उद्यानिकी क्षेत्र में निवेश को बढावा देने हेतु विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाकर निवेश की संभावनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है तथा संभावित निवेशकों और उद्यमियों को चिन्हित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर निवेश को बढावा देने हेतु देश के दिल्ली, बैंगलुरू आदि महानगरों में व्यापक स्तर पर रोड शो, प्रचार-प्रसार एवं निवेशकों के साथ बैठक आयोजित की गई है।

श्रमिकों को गर्मी एवं लू-तापघात से बचाव हेतु दिशा-निर्देश जारी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। ग्रीष्म ऋतु में अत्यधिक तापमान रहने की संभावना को मद्देनजर रखते हुए औद्योगिक संस्थानों में कार्यरत श्रमिकों को भीषण गर्मी एवं लू-तापघात से बचाव एवं सुरक्षा हेतु निर्देश जारी किए गए है। सहायक श्रम आयुक्त पंकज शर्मा ने नियोक्ताओं को निर्देशित किया है कि मई और जून माह में दोहर 12 बजे से 3 बजे तक लू का प्रभाव सर्वाधिक रहता है। अत: श्रमिकों के कार्य समय को इस प्रकार पुन: निर्धारित करें कि वे इस अवधि के दौरान सीधे तापघात से बच सके। सभी औद्योगिक इकाइयों में श्रमिकों के लिए शुद्ध और ठंडा पेयजल अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जावे। नियोजक द्वारा कार्य स्थल पर आवश्यक दवाइयां, प्राथमिक चिकित्सा किट और आपात स्थिति के लिए नर्स एवं कंपाउंडर की व्यवस्था चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर सुनिश्चित की जावे। लू-तापघात से बचाव हेतु निर्माण स्थलों पर आइस-पैक की उपलब्धता भी अनिवार्य है। ठेका श्रम अधिनियम 1970 के प्रावधानों के तहत कैंटीन, विश्राम कक्ष, शौचालय और मूत्रालय की समुचित व्यवस्था की जाए। ऐसे संस्थान जहां पीस रेट (काम के आधार पर) दिहाडी श्रमिक कार्यरत है वहां मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए गर्मी के कारण कार्य क्षमता प्रभावित होने पर मजदूरी की दरों में कोई कटौती नहीं की जाए।

उपखंड अधिकारी ने किया जेजेएम योजना कार्यों का निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। उपखंड अधिकारी किशनगढ़ बास ने गुरुवार को ग्राम माँचा में जल जीवन मिशन (जेजेएम) योजना के तहत निर्माणाधीन उच्च जलाशय एवं स्वच्छ जलाशय के कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति एवं निर्धारित समय सीमा के अनुसार कार्य पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इस दौरान संबंधित विभागीय अधिकारी, तकनीकी कर्मचारी उपस्थित रहे।

किशनगढ़बास के बस स्टैंड के विकास को लेकर जिला कलक्टर ने किया निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। जिला कलक्टर अतुल प्रकाश ने गुरुवार को किशनगढ़ बास बस स्टैंड का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बस स्टैंड का विस्तृत लेआउट एवं डीपीआर तैयार करवाकर भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्य प्रस्तावित करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने कहा कि बस स्टैंड का विकास सुनियोजित तरीके से किया जाए ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें तथा यातायात व्यवस्था भी सुगम बनी रहे। उन्होंने अधिकारियों को परियोजना के तहत यात्री सुविधाओं, पार्किंग, स्वच्छता एवं यातायात प्रबंधन जैसे बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए कार्य करने के निर्देश दिए।

राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड झुंझुनूं

जाहिर आम-सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल की आवासीय योजना चूरू में आवास संख्या 2/52 का आंवटन मण्डल द्वारा जारी आवंटन पत्र क्रमांक 172 दिनांक 20.10.2004 के द्वारा श्री राजेश कुमार पारीक पुत्र श्री विश्वनाथ पारीक को किया गया एवं उनके पक्ष में पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन दिनांक 07.02.2011 को कर दिया गया। तत्पश्चात श्री राजेश कुमार पारीक द्वारा उक्त आवास का विक्रय पत्र श्रीमती शायर कंवर पत्नी श्री सावंतसिंह शेखावत दिनांक 08.02.2011 को कर दिया गया। तत्पश्चात श्रीमती शायर कंवर द्वारा उक्त आवास का विक्रय पत्र श्रीमती सुमन पत्नी श्री राकेश दिनांक 19.07.2017 को कर दिया गया। क्रेता / क्रेती द्वारा मण्डल रिकॉर्ड के नाम दर्ज कराने बाबत आवेदन प्रस्तुत किया है।
अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 07 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत्त करें अन्यथा यह मानते हुए कि मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, श्रीमती सुमन का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जाएगा।

(जे.पी.वर्मा)
आवासीय अभियन्ता
राजस्थान आवासन मण्डल
खण्ड झुन्झुनू

ग्रामीण अंचलों में 13 विभागों की योजनाओं की समुचित जानकारी पहुंचने से ग्रामीण हो रहे जागरूक

संध्या चौपाल का ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ता क्रेज, योजनाओं की रोचक ढंक से मिल रही जानकारी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। प्रदेश के अंतिम छोर के जरूरतमंद व्यक्ति को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से लाभांवित के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार नित नए नवाचार ग्राम रथ अभियान के माध्यम से सरकार के 13 महत्वपूर्ण विभागों की योजनाओं की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान कर रही है। अभियान के तहत एलईडी लगे रथ ग्रामीण अंचलों के गांव-गांव तक पहुंचकर सरकार की योजनाओं की जानकारी प्रदान कर ग्रामीणों को इन योजनाओं का जागरूक रहकर लाभ उठाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

संध्या चौपाल का ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ता क्रेज, सुझाव पेटिका में दे रहे ग्रामीण बढचढकर सुझाव

ग्राम रथ अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में संध्या चौपाल का आयोजन हो रहा है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के लोक कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति के माध्यम से सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के प्रति रोचक ढक से अपनी प्रस्तुति देकर ग्रामीणों को इनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इन कार्यक्रमों का क्रेज ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। इसी प्रकार ग्राम रथों के साथ सुझाव पेटिका लगाई गई है, जिसमें आमजन अपने सुझाव व शिकायतों के निवारण के लिए बढचढकर सुझाव दे रहे हैं। इन सुझावों को राज्य स्तर पर पहुंचाया जा रहा है।

सरकार की योजनाएं ग्रामीण जनमानस के जीवन में ला रही है सकारात्मक बदलाव

ग्राम रथों के गांव-गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों को ना केवल एलईडी एवं ऑडियो-वीडियो के माध्यम से योजनाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है, बल्कि प्रचार सामग्री भी प्रदान की जा रही है, जिसमें सरकार के 13 महत्वपूर्ण विभागों की योजनाओं की सम्पूर्ण जानकारी समाहित किया गया है। जिसमें खेती, पशुपालन से संबंधित योजनाएं ग्रामीणों के जीवन के जीवन स्तर में महत्वपूर्ण बदलाव ला रही है। इन योजनाओं की सम्पूर्ण जानकारी मिलने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है।

भामाशाह दंपत्ति की पहल:

भीटेडा पीएचसी में प्रतीक्षालय कक्ष का उद्घाटन, ढाई लाख की लागत से बना कक्ष, ग्रामीणों को मिलेगी बेहतर सुविधा

जयपुर टाइम्स

बहरोड़(निसं.)। राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भीटेडा में मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भामाशाह बलबीर सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी राजबाला द्वारा लगभग ढाई लाख रुपये की लागत से निर्मित मरीज प्रतीक्षालय कक्ष का गुरुवार को उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पंचायत समिति बहरोड़ की प्रधान सरोज बस्तीराम यादव रहीं। मुख्य अतिथि ने विधिवत फीता काटकर कक्ष का लोकार्पण किया तथा भामाशाह दंपत्ति का शाल, साफा व माल्यार्पण कर सम्मान करते हुए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के जनसहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलती है और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो पाती हैं। इस अवसर पर चिकित्सा प्रभारी डॉ. शिखा यादव, सरपंच सोताज सिंह, जोगेंद्र यादव, कुलदीप यादव, कृष्ण कुमार, पंचायत समिति सदस्य सुनील यादव, तेज सिंह यादव, रोहतास गुर्जर, पार्षद रोहतास शेरपुर, रामप्रताप यादव, लालाराम यादव, दयाराम, नारायण सिंह, कृष्ण सौदागर, रमेश यादव, टीनू सैन, भामाशाह गजराज सिंह, उपदेश, उपसरपंच दिलीप सिंह, नर्सिंग अधिकारी राजवीर सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अध्यापक रणवीर सिंह यादव ने किया। इस दौरान ग्रामवासियों ने मुख्य अतिथि का साफा व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं महिलाएं कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

महाराणा प्रताप जयंती पूर्व संध्या पर भव्य कार्यक्रम आज

शौर्य गाथाओं पर होगा प्रकाश, संगठनों से सहभागिता की अपील

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान के गौरव एवं वीरता के प्रतीक महाराणा प्रताप की जयंती की पूर्व संध्या पर 8 मई को शहर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम बर्फ खाना रोड स्थित राज गुप्ता सभागार में शाम 6:15 बजे आयोजित होगा। संयोजक महेंद्र गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में महाराणा प्रताप के जीवन, संघर्ष एवं शौर्य गाथाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला जाएगा। साथ ही विभिन्न सामाजिक संगठनों से महाराणा जयंती महोत्सव को सफल बनाने का आह्वान किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मीरा धाम ट्रस्ट की अध्यक्ष राज गुप्ता करेंगी। इस अवसर पर ट्रस्ट के सचिव प्रमोद शर्मा (सेवानिवृत्त अधिशासी अभियंता), वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहन पूजा वाले एवं वरिष्ठ सदस्य राजेंद्र सिंह शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक लक्ष्मेश कुमार सिंह (प्रदेशाध्यक्ष, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा) एवं सोमवीर सिंह तंवर (वर्ल्ड मार्शल आर्ट प्लेयर) रहेंगे। सह संयोजक के रूप में यश भार्गव, रूबी वर्मा, क्षितिज माथुर, सतीश मोदी, नवीन सेन, पूर्व पार्षद दिनेश खंडेलवाल, समाजसेवी द्वारका प्रसाद खंडेलवाल, प्रमोद अग्रवाल, कृष्ण कुमार खंडेलवाल, अनिल नागर, खुशी जाटव, लता जैन, मीरा यादव एवं मेघना सैनी सहित अनेक लोग आयोजन में सहयोग करेंगे। आयोजकों ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

पुर में पहुंचा ग्राम रथ अभियान, एलईडी वैन से योजनाओं की दी जानकारी

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित ग्राम रथ अभियान के तहत गुरुवार को किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत पुर में एलईडी वैन पहुंची। रथ के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी आकर्षक ऑडियो-वीडियो प्रस्तुति के जरिए दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। इस अवसर पर किशनगढ़ बास के पूर्व विधायक रामहेत यादव ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस प्रकार के अभियान बेहद प्रभावी साबित हो रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका अधिकतम लाभ लें तथा अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि योजनाओं की सही जानकारी मिलने से ग्रामीण आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ सकते हैं। अभियान के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सरल एवं सहज भाषा में योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। एलईडी मोबाइल वैन पर योजनाओं से संबंधित वीडियो एवं संदेश प्रदर्शित किए गए, जिन्हें ग्रामीणों ने रुचि के साथ देखा। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें पहले कई योजनाओं की पूरी जानकारी नहीं थी, लेकिन इस पहल के माध्यम से अब वे योजनाओं को बेहतर ढंग से समझ पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान गांवों के लिए काफी उपयोगी साबित हो रहे हैं।

नार्को कोऑर्डिनेशन केंद्र की जिला स्तरीय बैठक आयोजित

नशा मुक्त अभियान को लेकर दिए अहम निर्देश

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। जिला कलक्टर अतुल प्रकाश की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला सचिवालय में नार्को कोऑर्डिनेशन केंद्र (NCORD) की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी, अफीम एवं गांजे की अवैध खेती, ट्रामाडोल व कोडिन आधारित दवाइयों के दुरुपयोग तथा भांग के वैध ठेकों पर संचालित अवैध गतिविधियों की रोकथाम को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।
बैठक में एनडीपीएस अधिनियम एवं मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही कार्यवाहियों की समीक्षा भी की गई। जिला कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि आगामी बैठक से पूर्व जिले के सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों के माध्यम से सर्वे कर विद्यालय परिसरों के 100 मीटर दायरे में संचालित तंबाकू विक्रेताओं की सूची जिला कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए, ताकि अभियान चलाकर स्कूल परिसरों को तंबाकू मुक्त बनाया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिले के सभी स्कूलों में नियमित रूप से नशा मुक्ति गतिविधियां आयोजित की जाएं, जिससे बच्चों एवं युवाओं को नशे की लत से बचाया जा सके। इसके साथ ही मेडिकल स्टोरों पर पर्चे से मिलने वाली दवाइयों की निगरानी रखने तथा अवैध रूप से बेची जा रही कोडिन व ट्रामाडोल जैसी दवाइयों पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों को कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई एवं चालान सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया।
जिला कलेक्टर ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की नशे से संबंधित अवैध गतिविधि की सूचना टोल फ्री नंबर 1933 पर दी जा सकती है, ताकि प्रशासन एवं पुलिस समय रहते प्रभावी कार्रवाई कर सके।
बैठक में पुलिस अधीक्षक बृजेश उपाध्याय ने कहा कि यदि अन्य जिलों में अवैध मादक गतिविधियों में जिले के किसी व्यक्ति की संलिप्तता की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को अवगत कराया जाए, ताकि जिले में ऐसी गतिविधियों को पनपने से रोका जा सके। उन्होंने भांग के ठेकों पर नियमों के अनुसार विक्रय सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर , उपनिदेशक समाज कल्याण विभाग, उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, एनसीबी जयपुर के, जिला शिक्षा अधिकारी सहित पुलिस एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।।

तेज आवाज वाले मोडिफाइड साइलेंसर पर कार्रवाई, 20 बाइक जब्त

यातायात नियम तोड़ने पर 319 वाहनों के चालान, पुलिस ने दी सख्त चेतावनी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। शहर में ध्वनि प्रदूषण और यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाने के लिए यातायात पुलिस ने सख्त अभियान चलाते हुए मोडिफाइड साइलेंसर लगी 20 मोटरसाइकिलों को जब्त किया है। ये वाहन पटाखों जैसी तेज आवाज निकालकर आमजन को भयभीत कर रहे थे, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी (आई.पी.एस.) ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. प्रियंका रघुवंशी (आरपीएस) एवं सीओ यातायात जितेन्द्र सिंह के निर्देशन में यातायात शाखा प्रभारी संजय शर्मा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान शहर में ऐसे वाहनों की जांच की गई जिनमें अवैध रूप से साइलेंसर में बदलाव किया गया था। साथ ही कई वाहनों पर नंबर प्लेट के स्थान पर नाम या जाति लिखी हुई भी पाई गई।
कार्रवाई के तहत 20 मोटरसाइकिलों को जब्त कर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई। इसके अलावा यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले 319 वाहन चालकों के खिलाफ भी चालान काटे गए। इनमें बिना हेलमेट, तीन सवारी, मोबाइल फोन का उपयोग, सीट बेल्ट न लगाने और अन्य उल्लंघन शामिल हैं।
पुलिस की अपील यातायात पुलिस ने आमजन से अपील की है कि– वाहन चलाते समय हेलमेट व सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें, दोपहिया पर दो से अधिक सवारी न बैठाएं, लाल बत्ती व यातायात संकेतों का पालन करें, गलत दिशा में वाहन न चलाएं, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल का उपयोग न करें तथा निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाएं। पुलिस ने कहा कि सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए सभी नागरिकों का सहयोग जरूरी है और नियमों की पालना ही सड़क दुर्घटनाओं से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त करने वाले कब और बुलबुल को किया गया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के तत्वावधान में गोल्डन अवॉर्ड सेरेमनी कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें कब बुलबुल एक्टिविटी के तहत राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले 6-6 कब और बुलबुल को सम्मानित किया गया। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड से विजयलक्ष्मी रोहिला ने बताया कि स्काउट गाइड का मुख्य उद्देश्य हर परिस्थिति में अपने आपको कैसे समायोजन कराना है यह उनके दिन प्रतिदिन के प्रशिक्षण का हिस्सा होता है। उन्होंने बताया कि सेंट एंसलम सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में कब बुलबुल को हीरक पंख एवं गोल्डन अवार्ड पुरस्कार से नवाजा गया। उन्होंने बताया कि कब बुलबुल एक्टिविटी का उद्देश्य कोशिश करो और खेल-खेल के माध्यम से शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक एवं भौतिक विकास करना है। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा विद्यालय के बालक-बालिकाओं को स्काउट गाइड गतिविधि से जुड़े का आह्वान किया। सी.ओ स्काउट राजेन्द्र मीणा ने सेंट एंसलम विद्यालय के बालक-बालिकाओं को निरन्तर आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। सेंट एंसलम विद्यालय के प्रधानाचार्य जोसफ ने बताया कि स्काउट गाइड एक ऐसी गतिविधि है जिससे बालक अपना सर्वांगीण विकास करता है और उनको जीवन जीने की कला सीखता है। इस दौरान फ्लॉक लीडर पूनम तायल ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अनुज बाला चौहान सहित विद्यालय स्टाफ एवं बडी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर रक्तदान शिविर व सम्मान समारोह आज

अलवर। इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, अलवर द्वारा विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर 8 मई को रक्तदान शिविर एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन मोती डूंगरी स्थित रेड क्रॉस भवन में प्रात: 9 बजे से किया जाएगा। रेड क्रॉस सोसायटी के चेयरमैन डॉ. एस.सी. मित्तल ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आईपीएस प्रियंका यदुवंशी होंगी, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात कवि बलबीर सिंह करूण करेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण से होगी, जिसके बाद रक्तदान शिविर एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। सचिव डॉ. रूप सिंह ने बताया कि आरईसी लिमिटेड, गुरुग्राम के साथ हुए एमओयू के तहत संचालित जिले की पांच मेडिकल मोबाइल यूनिट्स–अलवर, राजगढ़, रामगढ़, खैरथल-तिजारा एवं बहरोड़-कोटपुतली–के चिकित्सकों एवं स्टाफ को इस अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रेड क्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हेनरी ड्यूनेंट द्वारा की गई थी और इसका मुख्य उद्देश्य आपदा व संकट के समय मानवता की सेवा करना है।

माता-पिता के दिए 'अरविंद' नाम को साकार कर रहे 'पोसवाल'

कई जिलों को रोशन करने के बाद अब राजस्थान आवासन मंडल में ले आए बहार, गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के घर के सपने को साकार करने की दिशा में हाउसिंग बोर्ड की ऊंची उड़ान, भजनलाल सरकार के भरोसे और उम्मीद पर खरा उतर रहा हाउसिंग बोर्ड

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भारतीय संस्कृति और सभ्यता में अनादिकाल से ही बच्चों के नामकरण प्रक्रिया को काफी गंभीरता से लिया जाता रहा है, सतयुग में जहां राजा महाराजाओं के यहां कुलगुरु बच्चों का नाम रखा करते थे वैसे ही आज कलयुग में भी सनातन धर्म के लोग बच्चों का नाम किसी विद्वान पंडित के कहे अनुसार ही रखते हैं क्योंकि चाहे कोई माने या ना माने लेकिन यह सत्य है बच्चों के जन्म के नाम से उसकी कुंडली, उसका फ्यूचर, विवाह, कारोबार, पढ़ाई इत्यादि का सीधा जुडाव,संबंध और तथा प्रभाव रहता है जिसका जीता जागता उदाहरण वर्ष 2013 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अरविंद पोसवाल हैं जिनके 'अरविंद' नाम में ही गहरा भावार्थ छुपा हुआ है, अगर इनके नाम की व्याख्या करें तो 'अरविंद' का अर्थ कमल का फूल, पवित्र और शुद्ध है और यह नाम मेष राशि से जुड़ा होता है जो ईमानदार, नेतृत्व क्षमता और तेज बुद्धि वाले माने जाते हैं अब अगर एक आईएएस अफसर की सर्विस के रूप में अरविंद ओसवाल की अब तक के सर्विस रिकॉर्ड को देखें तो यह तो मानना ही पड़ेगा की भले ही इनके पिता वकील हो लेकिन उन्होंने अपने लाडले का नाम किसी न किसी बड़े विद्वान पंडित की सलाह पर ही रखा है इसीलिए तो वर्ष 2013 के बाद राजस्थान कैडर के इस अधिकारी ने अपनी अब तक की सर्विस में जो उत्कृष्ट और अभूतपूर्व कार्य करके दिखाएं उसकी वजह से इन्हें राजस्थान सरकार की ओर से पूर्व में बेस्ट कलेक्टर का अवार्ड भी दिया गया इसके अलावा और भी कई बड़े-बड़े अवार्ड इनके अकाउंट में दर्ज हैं, स्मार्ट और टैलेंटेड अधिकारी ने अपनी ईमानदारी, तेज बुद्धि, वर्किंग स्टाइल, नवाचार और काम के प्रति अपने गहरे समर्पण भाव से प्रदेश में कई जिलों में कलेक्टर रहने के दौरान जो उल्लेखनीय शानदार कार्य किया उन्हें उन जिलों की जनता आज भी याद करती है और इनकी ओर से लागू किए गए नवाचारों का फायदा वे लोग आज भी उठा रहे हैं इसीलिए इन्हें बेस्ट कलेक्टर का अवार्ड देकर सरकार ने सम्मानित भी किया और अब राजस्थान आवासन मंडल में कमिश्नर पद पर रहने के दौरान अल्प अवधि में ही अपनी कार्यशैली और व्यवहार से एक तरफ जहां हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों और कर्मचारियों में एक श्रेष्ठ लोकप्रिय कैप्टन के रूप में खुद को स्थापित कर लिया है तो दूसरी तरफ गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के घर के सपने को साकार करने की दिशा में भी हाउसिंग बोर्ड के कार्य को तेजी से गति प्रदान कर रहे हैं साथ-साथ जिस उम्मीद और भरोसे के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इन्हें हाउसिंग बोर्ड की कमान दी थी उस उम्मीद और भरोसे पर खरा उतर रहे हैं हालांकि इन्हें अभी हाउसिंग बोर्ड में ज्यादा समय नहीं हुआ है, मुश्किल से करीब 1 महीने की अवधि में ही इन्होंने हाउसिंग बोर्ड के कार्यों को जो गति दी है और जो खुशनुमा माहौल राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के मुख्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों में नजर आ रहा है साथ-साथ जिस रफ्तार के साथ हाउसिंग बोर्ड की निर्माणाधीन योजनाएं तेजी से संपादित हो रही है उससे यह तो कहना ही पड़ेगा कि अगर सरकार ने यहां पोसवाल की पोस्टिंग लंबे समय तक रखी तो निश्चित रूप से पोसवाल के नेतृत्व में राजस्थान हाउसिंग बोर्ड अपने विकास यात्रा का एक शानदार और जानदार अध्याय लिख सकता है ।

राजस्थान जैसे विषम भौगोलिक स्थिति वाले प्रदेश के लिए अरविंद पोसवाल जैसे अधिकारियों की है जरूरत

राजस्थान भौगोलिक दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य है और यहां की भौगोलिक स्थितियां भी काफी कठिन और विपरीत है हालांकि बदलते परिदृश्य में राजस्थान के मरुस्थली जिले भी अब तेजी से आबाद हो रहे हैं और विकास तथा हरियाली से रोशन हो रहे हैं लेकिन राजस्थान जैसे विकासशील प्रदेश को तेजी से गति देने के लिए अरविंद पोसवाल जैसे ज्यादा से ज्यादा ब्यूरोक्रेट होना भी बेहद जरूरी है, अरविंद पोसवाल कि उन अधिकारियों में गिनती होती है जो सिर्फ अपने काम से मतलब रखते हैं जो बोलने और दिखावा करने की जगह कार्य करने में ज्यादा विश्वास रखते हैं इसीलिए सिर्फ 13 साल की अपनी सर्विस में ही कई बड़े पुरस्कार अरविंद पोसवाल ने अपनी झोली में डाल लिए हैं भले ही युवा हो लेकिन अनुभव, कार्य कुशलता और अपनी नेतृत्व क्षमता से प्रदेश में पोस्टेड सीनियर प्रशासनिक अधिकारी भी इनका काफी सम्मान करते हैं प्रदेश में चाहे कांग्रेस पार्टी की सरकार रही हो या फिर भारतीय जनता पार्टी की हर सरकार ने इनकी योग्यता और कार्य क्षमता को देखकर इन्हें जिलों में ज्यादा पोस्टिंग दी ताकि प्रदेश के लोगों को ज्यादा से ज्यादा सरकारी योजनाओं का अच्छा फायदा मिल सके और लोगों की समस्याओं का निवारण हो सके इसलिए राजनीतिक विश्लेषक भी यह मानते हैं कि राजस्थान जैसे विषम भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, जातिगत परिस्थितियों वाले स्टेट में अगर अरविंद पोसवाल जैसे अधिकारियों की एक बड़ी खेप आ जाए तो फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में और भी आसानी हो जाए ।

कई जिलों के रहे कलेक्टर, बेस्ट कलेक्टर का अवार्ड भी जीता

जानकारी के अनुसार वर्ष 2013 बैच के राजस्थान कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अरविंद पोसवाल का राजस्थान में अब तक की सर्विस का रिकॉर्ड काफी उत्कृष्ट, खूबसूरत और ऐतिहासिक माना जाता है वर्ष 2012 भारतीय प्रशासनिक सेवा भर्ती परीक्षा में इनका चयन हुआ था और आईएएस की ट्रेनिंग के दौरान लेक सिटी उदयपुर के एडिशनल कलेक्टर पद पर सेवाएं दी बाद में इन्हें उदयपुर के कलेक्टर पद पर भी कार्य करने का अवसर दिया उदयपुर पर्यटक दृष्टि के लिहाज से तो काफी महत्वपूर्ण है ही इसके अलावा इस जिले में आदिवासी इलाका भी बहुत ज्यादा है इसलिए यहां ट्रेनिंग के दौरान और फिर कलेक्टर पद पर रहने के दौरान इन्होंने केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार की ओर से संचालित की जा रही विभिन्न तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का शानदार तरीके से संपादन तो करवाया ही इसके अलावा जिले में शहरी और ग्रामीण तथा आदिवासी इलाकों में अपने निरंतर जनसंपर्क, जन संवाद और जनसुनवाई जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करके गरीब आदिवासी लोगों की भलाई और कल्याण के लिए सरकारी सेवक के रूप में समर्पित भाव से कार्य करते हुए नजर आए तथा प्रशासकीय कार्यों में ज्यादा से ज्यादा आधुनिकीकरण, यंत्र और उपकरणों के माध्यम से ई गवर्नेंस सिस्टम पर ज्यादा फोकस रखा, इसी तरह की इनकी वर्किंग स्टाइल इन्होंने चित्तौड़गढ़,राजसमंद और नागौर जिले में कलेक्टर पद पर रहने के दौरान भी देखने को मिली इनकी नेतृत्व क्षमता, ईमानदारी और बेहतरीन वर्किंग स्टाइल को देखते हुए ही सरकार ने इन्हें चुनौती पूर्ण जिलों में कार्य करने का मौका दिया जिसमें हर जिले में इन्होंने बेहतरीन कार्य करके दिखाए उसी का परिणाम है कि आज भी इन सभी जिलों के लोग ना तो इनको भूले हैं और ना ही इनके अच्छे कार्यों और नवाचारों को इसीलिए सरकार ने इन्हें जिलों में कार्य करने का ज्यादा मौका दिया हालांकि इन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय में भी संयुक्त सचिव पद पर जिम्मेदारी निभाई यह जिम्मेदारी भी इनकी प्रशासनिक कुशलता और ई गवर्नेंस में इनकी प्रभावी कार्य क्षमता को देख कर ही की गई थी क्योंकि मुख्यमंत्री कार्यालय में संयुक्त सचिव पद की जिम्मेदारी को काफी महत्वपूर्ण माना जाता है यह जिम्मेदारी कोई भी मुख्यमंत्री उसी अधिकारी को देता है जो उसका काफी भरोसेमंद और विश्वासपात्र होने के साथ साथ ईमानदार, कर्मठ,तेज बुद्धि और तुरंत निर्णय लेने की क्षमता का मालिक हो इसलिए इनकी काम करने की ऊर्जा शक्ति को देखते हुए ही इन्हें सीएमओ में संयुक्त सचिव पद पर जिम्मेदारी दी गई इस जिम्मेदारी को भी इन्होंने बहुत ही शानदार तरीके से निभाया था इसके अलावा कुछ समय के लिए दिल्ली में भी केंद्रीय परिवार कल्याण और स्वास्थ्य मंत्रालय में अपनी सेवाएं दी, सर्विस के शुरू के समय में माउंट आबू सिरोही में इन्हें एसडीएम एसडीओ पद पर भी जिम्मेदारी दी गई थी यहां भी इनका कार्य काफी लाजवाब रहा इस तरह से प्रदेश में अलग-अलग जिलों और अलग-अलग डिपार्मेंटों में कार्य करने के दौरान इनके उत्कृष्ट कार्यो और नवीन प्रयोग नवाचारों को देखते हुए ही इन्हें अनेकों बार बड़े-बड़े पुरस्कार मिले ।

राजस्थान हाउसिंग बोर्ड में भ्रष्टाचार में जीरो टॉलरेंस की नीति पर पूरा फोकस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और निर्देशन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी अपनी सरकार में भ्रष्टाचार में जीरो टॉलरेंस की नीति पर गंभीरता से अमल कर रहे हैं इसके लिए सभी सरकारी विभागों में पोस्टेड अधिकारियों और कर्मचारियों को ईमानदारी से कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है साथ-साथ जो अधिकारी और कर्मचारी भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं उन्हें एंटी करप्शन ब्यूरो की ओर से पकड़ा भी जा रहा है राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की ओर से भी राजधानी जयपुर सहित पूरे प्रदेश में करोड़ों रुपए के विकास प्रोजेक्ट और विभिन्न तरह की आवासीय और व्यावसायिक योजनाएं निर्माण प्रक्रिया में संचालित हो रहे हैं ऐसे में भ्रष्टाचार की गुंजाइश से इनकार नहीं किया जा सकता लेकिन अरविंद पोसवाल के बेस्ट मैनेजमेंट और नियमित रूप से फीडबैक लेते रहने तथा मौके पर जाकर खुद निर्माण कार्यों का अवलोकन करके निर्माण सामग्री का परीक्षण करने जैसे विषयों पर लगातार ध्यान दे रहे हैं साथ-साथ निर्माण कार्यों से जुड़े अधिकारियों और निर्माण कार्यों में लगे ठेकेदारों इत्यादि सभी से नियमित रूप से संवाद करके उन्हें ईमानदारी से उत्कृष्ट और श्रेष्ठ कार्य करने के लिए प्रेरित करते रहते हैं इसी का नतीजा है कि राजस्थान हाउसिंग बोर्ड में एसीबी की और से किसी भी तरह की कोई कार्रवाई देखने को नहीं मिल रही जो यह बताता है कि हाउसिंग बोर्ड भ्रष्टाचार में जीरो टॉलरेंस की नीति पर गंभीरता से अमल कर रहा है इसकी वजह यही है कि अरविंद पोसवाल खुद एक ईमानदार और मेहनती ऑफिसर के रूप में माने जाते हैं जिनकी अब तक की सर्विस पूरी तरह से बेदाग रही है और कभी भी किसी ने भी उन पर किसी भी बात के लिए उंगली नहीं उठाई बल्कि उनके प्रयासों और उनके कार्यों की हमेशा ही प्रशंसा हुई है इसीलिए राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के जयपुर स्थित प्रधान कार्यालय और प्रदेश भर में स्थित हाउसिंग बोर्ड के सभी कार्यालय में अधिकारी और कर्मचारी ओसवाल से प्रेरित होकर अपनी ड्यूटी और फर्ज को अंजाम दे रहे हैं इसकी वजह से राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के प्रधान कार्यालय में ही नहीं बल्कि प्रदेश में स्थित हाउसिंग बोर्ड के अन्य कार्यालय में भी एक अच्छा खुशनुमा माहौल देखकर प्रदेश के लोग काफी खुश नजर आ रहे हैं और प्रधान कार्यालय तथा हाउसिंग बोर्ड के अन्य कार्यालय में पहले की तुलना में लोगों की ज्यादा भीड़ भी देखी जा रही है और गतिविधियां भी काफी तेज हो गई है ।

राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के दफ्तर में अरविंद पोसवाल की दमदार एंट्री, अधिकारियों और कर्मचारियों को है इनसे काफी उम्मीद

प्रदेश में राजस्थान हाउसिंग बोर्ड हमेशा से प्रदेश सरकारों के लिए बड़ी चुनौती के रूप में रहा है एक समय ऐसा भी था जब राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की आर्थिक हालात काफी खराब हो गई थी और अधिकारियों और कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे तक नहीं थे शासन सचिवालय के गलियारों में चर्चा होती रहती थी कि सरकार राजस्थान हाउसिंग बोर्ड को बंद कर सकती है इस तरह की खबर सुनकर राजस्थान हाउसिंग बोर्ड में सालों से काम कर रहे कर्मचारियों के चेहरों पर चिंता की लकीर छा जाती थी हालांकि बाद में धीरे-धीरे स्थितियां बदली और राजस्थान हाउसिंग बोर्ड में ईमानदार और मेहनती अधिकारियों की नियुक्ति होने से राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के हालात तेजी से सुधारने भी लगे पहले जहां लोग राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के मकान और अन्य प्रोजेक्ट को खराब गुणवत्ता, आकार- प्रकार डिजाइन इत्यादि को नापसंद करके हाउसिंग बोर्ड की तरफ देखते तक नहीं थे उनका भी बाद में मिजाज बदला अब लोग राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के मकान, दुकान और अन्य सभी तरह के प्रोजेक्ट को लेकर काफी दिलचस्पी भी दिख रहे हैं ऐसे में प्रदेश की भजन लाल सरकार ने अरविंद पोसवाल के हाथों में राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की कमान देकर उन्हें हाउसिंग बोर्ड को चमकाने का तो अवसर प्रदान किया ही है इसके अलावा प्रदेश में जिन गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के पास रहने को मकान नहीं है उन्हें उनकी आर्थिक स्थिति के मुताबिक मकान आवंटित करवाने की बड़ी जिम्मेदारी भी दी है ताकि प्रदेश में हर व्यक्ति के पास रहने का खुद का मकान हो साथ साथ हाउसिंग बोर्ड की आर्थिक हालात को भी मजबूत बनाने का टारगेट पोसवाल को दिया है इसीलिए अपनी नियुक्ति के पहले दिन ही कार्यभार संभालने के बाद ओसवाल ने दफ्तर में बड़ी बैठक का आयोजन करके अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सामूहिक संवाद किया और उन्हें निर्देशित किया कि वर्तमान में हाउसिंग बोर्ड की कितनी भी योजनाएं और प्रोजेक्ट जयपुर और प्रदेश भर में निर्माण के प्रक्रिया में चल रहे हैं उनका निर्माण निर्धारित अवधि पर कंप्लीट हो इसके अलावा निर्माण सामग्री में किसी भी तरह की कोई भी कमी नहीं रखी जाए किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं किया जाए निर्माण सामग्री गुणात्मक रूप से कसौटी पर खरी उतरे इन सब विषयों को लेकर ओसवाल ने ड्यूटी के पहले दिन ही अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने विजन से अवगत करवा दिया था, हाउसिंग बोर्ड के कार्यालय में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी अरविंद पोसवाल से उनके हितों की रक्षा के लिए कहा था जिस पर ओसवाल ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि हम सब मिलकर हाउसिंग बोर्ड को बुलंदियों पर ले जाएंगे और तमाम तरह की अफवाहों को हमेशा हमेशा के लिए चुप करवा देंगे इसमें कोई संदेह नहीं पोसवाल को अभी हाउसिंग बोर्ड में काम संभाले करीब 1 महीने का समय ही बीता है लेकिन इस एक महीने में उन्होंने प्रदेश भर में राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की ओर से संचालित हो रहे तमाम तरह के प्रोजेक्ट और विभिन्न तरह की विकास योजनाओं का बारीकी से फीडबैक ले रहे हैं कई जगह पर इन्होंने मौके पर हाउसिंग बोर्ड की योजनाओं और प्रोजेक्ट का अवलोकन भी किया है जहां पर कमियां और लापरवाही थी वहां जिम्मेदार अधिकारियों और निर्माण कार्य से जुड़े लोगों को फटकार भी लगाई है, बड़ी बात यह है कि पोसवाल हमेशा ऑफिस समय से पहले पहुंचते हैं और अधिकारियों और कर्मचारियों को भी ईमानदारी और समर्पित भाव से कार्य करने के लिए नियमित रूप से प्रेरित करते हैं और उन्हें समय पर कार्यालय में आने और समय पर ही कार्यालय छोड़ने की सख्त हिदायत दी हुई है इसके अलावा प्रदेश भर में स्थित राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ भी नियमित रूप से बातचीत करके योजनाओं का फीडबैक लेते रहते हैं जरूरत पड़ने पर प्रदेश करके अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ वर्चुअल मीटिंग करते दिखाई देते हैं इन सब प्रयासों से निश्चित रूप से हाउसिंग बोर्ड की कार्यशैली में और भी तेजी और मजबूती आई है जिसका सीधा असर हाउसिंग बोर्ड की योजनाओं और प्रोजेक्ट पर भी पड़ा है जो प्रदेश के लोगों में लगातार आकर्षण का केंद्र बिंदु बने हुए हैं ।

बड़े शहर के साथ-साथ अब छोटे शहरों में भी राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की दमदार तरीके से दिख रहा उपस्थित

: राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की आवासीय योजनाओं और व्यावसायिक परिसर दुकान इत्यादि के प्रति प्रदेश के लोगों का आकर्षण अब पहले की तुलना में लगातार तेजी से बढ़ रहा है अब लोग जयपुर विकास प्राधिकरण या अन्य विकास प्राधिकरण इत्यादि की ओर से जारी की जाने वाली योजनाओं की तुलना में राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की विभिन्न आवासीय योजनाओं और दुकानों व्यवसायिक परिसर को खरीदने में लोग ज्यादा दिलचस्पी दिखा रहे हैं क्योंकि अब राजस्थान हाउसिंग बोर्ड गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार को प्राथमिकता से आगे रखकर अपनी योजनाएं जारी कर रहा है इसकी वजह से गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार के लोग भी अपनी इनकम के अनुसार हाउसिंग बोर्ड की ओर से जारी होने वाली योजनाओं का लाभ आसानी से उठा लेते हैं इसीलिए प्रदेश भर के लोगों के आकर्षण को देखकर राजस्थान हाउसिंग बोर्ड प्रशासन पिछले कुछ सालों से प्रदेश के बड़े शहर के साथ-साथ छोटे-छोटे शहर में भी आवासीय योजनाएं विकसित करने के साथ-साथ व्यावसायिक परिसर दुकान इत्यादि का भी निर्माण करने में तेजी से कार्य कर रहा है हाउसिंग बोर्ड के कमिश्नर अरविंद पोसवाल की कोशिश यही है कि प्रदेश भर में प्रदेश की भजनलाल सरकार की ओर से लोगों को जिला स्तर पर भी निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध करवाया जा रहा है इसके अलावा प्रदेश में कई जिलों में औद्योगिक क्षेत्र रीको की ओर से विकसित किया जा रहे हैं इसलिए रोजगार के अवसर बढ़ने से लोग अब अपने घर के नजदीक छोटे शहर के पास नया घर बनाने का ख्वाब भी सजाने लगे हैं ऐसे में हाउसिंग बोर्ड कमिश्नर अरविंद पोसवाल का प्रयास यही है कि प्रदेश के छोटे-छोटे शहर में निर्धन और मध्यम वर्गीय लोगों के लिए शानदार आकर्षक आवासीय योजनाएं विकसित करके लोगों के सपनों को साकार किया जाए इसलिए हाउसिंग बोर्ड जयपुर, उदयपुर, कोटा ,जोधपुर जैसे बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे-छोटे शहर में आकर्षक और शानदार आवासीय योजनाएं लॉन्च करने की दिशा में गंभीरता से तेजी से कार्य कर रहा है जिसमें प्रदेश में कई छोटे शहरों में हाउसिंग बोर्ड की ओर से आकर्षक आवासीय योजनाएं विकसित की जा रही है जिनको लेकर लोगों में काफी प्रसन्नता भी है क्योंकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विजन भी साफ है कि प्रदेश में हर व्यक्ति को पक्का घर हो इसलिए मुख्यमंत्री के विजन और संकल्प को साकार करने की दिशा में राजस्थान हाउसिंग बोर्ड छोटे-छोटे शहरों में आवासीय योजनाएं विकसित करके गरीब मजदूर वर्ग के लोगों को भी पक्के और आकर्षक मकान आवंटित करने की दिशा में अथक रूप से काम करते नजर आ रहा है ।

हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाके में जन्मे अरविंद पोसवाल जितने बाहर से स्मार्ट उतने ही अंदर से भी दिल के कोमल

पहाड़ी इलाकों के बारे में कहा जाता है कि पहाड़ी लोग जितने बाहर से सुंदर होते हैं उतने ही दिल के भी काफी अच्छे और कोमल होते हैं अब बात की जाए अरविंद पोसवाल की तो अरविंद पोसवाल का जन्म भी हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाके के नालागढ़ के पंजेहरा गांव में एक वकील के घर हुआ बचपन से ही अरविंद काफी स्मार्ट और सुंदर तो दिखते थे ही इसके अलावा पढ़ने में भी काफी इंटेलिजेंट थे बुद्धि काफी तेज थी, गरीब मजदूर और निर्धन लोगों को लेकर इनके दिल में बचपन से ही दयाभाव छाया रहता था जो इनके आईएएस बनने के बाद भी कायम है, समाज में गरीब, मजदूर, महिला और किसान ज्यादा से ज्यादा भलाई और सेवा करने के भाव ने इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवा भर्ती परीक्षा में बैठने के लिए प्रेरित किया, हालांकि इन्होंने हाई सेकेंडरी स्कूली शिक्षा बिलासपुर में हासिल की और फिर कानपुर स्थित आईआईटी में इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर की डिग्री हासिल की, इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर की पढ़ाई के दौरान ही वर्ष 2012 में भारतीय प्रशासनिक सेवा भर्ती परीक्षा में शामिल हुए और पहले ही प्रयास में इनका चयन हुआ और फिर 2013 में इन्हें सर्विस के लिए राजस्थान केडर आवंटित हुआ तब से लेकर अब तक राजस्थान में इनकी सर्विस का रिकॉर्ड बेदाग रहा है हालांकि कुछ समय के लिए दिल्ली स्थित केंद्रीय परिवार और स्वास्थ्य कल्याण विभाग में पोस्टेड रहे लेकिन फिर वापस राजस्थान आ गए जहां अलग-अलग जिलों में कलेक्टर पद पर रहने के दौरान अपने उल्लेखनीय कार्यों की अमिट छाप छोड़ी ।

ऐतिहासिक खूबसूरत गुलाबी शहर को आधुनिक मॉडल शहर बनाने में राजस्थान हाउसिंग बोर्ड भी अव्वल

देश और दुनिया भर के पर्यटकों के लिए राजस्थान हमेशा से आकर्षण का पर्यटन स्थल रहा है प्रदेश में राजधानी जयपुर के अलावा उदयपुर, जोधपुर, कोटा, चित्तौड़गढ़, बूंदी, अजमेर, जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर, सवाई माधोपुर, अलवर, भरतपुर इत्यादि कई अन्य जगह पर देश और विदेश के पर्यटक बड़ी संख्या में हर साल यहां भ्रमण के लिए आते हैं जिसमें राजधानी जयपुर को हेरीटेज सिटी का दर्जा भी मिला हुआ है लेकिन आबादी और विस्तार के मामले में जयपुर तेजी से आगे बढ़ रहा है यहां सड़क, रेल और वायु कनेक्टिविटी में जबरदस्त सुधार हुआ है साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्र भी यहां जयपुर के आसपास विकसित हो रहे हैं रियल एस्टेट का कारोबार जयपुर की चारों दिशाओं में तेजी से बुलंदी छू रहा है बड़े-बड़े बहुमंजिली आवासीय इमारत और आकर्षक डिजाइन के व्यावसायिक परिसर मुंबई जैसा दर्शन यहां करवा रहे हैं इसलिए जयपुर अब हेरिटेज के साथ आधुनिक मॉडर्न शहर के रूप में भी तेजी से विकसित हो रहा है मेट्रो रेल, सांगानेर एयरपोर्ट का विस्तार और जयपुर के निकट अचरोल में दुनिया का तीसरा बड़ा क्रिकेट स्टेडियम तथा कई बड़ी-बड़ी आवासीय योजनाओं ने जयपुर को मुंबई जैसे महानगर का चोला पहना दिया है ऐसे में पिछले कुछ सालों में राजस्थान आसान मंडल ने भी यहां बड़े-बड़े आकर्षक व्यावसायिक परिसर, भव्य आकर्षक आवासीय योजनाएं, भव्य पार्क, प्रताप नगर का शानदार कोचिंग हब जैसी अनेक शानदार और जानदार योजनाएं समर्पित करके जयपुर को मॉडर्न लुक बनाने में अपनी बड़ी भूमिका निभाई और हाउसिंग बोर्ड के कमिश्नर अरविंद पोसवाल अब जयपुर और अन्य प्रमुख शहरों में कई आकर्षक प्रोजेक्ट शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं जो देश और दुनिया के पर्यटकों को भी काफी पसंद आएंगे ।

सम्पादकीय

पंजाब में फिर लौट रहा खालिस्तानी आतंक
10 दिन में 3 धमाकों ने बढ़ाई देश की

पंजाब में पिछले कुछ समय से आतंकी गतिविधियां जिस तरह से बढ़ रही हैं, वह बड़े खतरे की ओर इशारा करती हैं। बीते दस दिनों के भीतर राज्य में तीन बम धमाकों ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। अब तक की जांच-पड़ताल के निष्कर्षों की जो तस्वीर सामने आई है, उससे इस बात के साफ संकेत मिलते हैं कि उग्रवाद का कठिन दौर झेल चुके इस राज्य में खालिस्तान समर्थक आतंकी तंत्र फिर से सिर उठाने लगा है। जलंधर और अमृतसर में मंगलवार रात हुए दो सिलसिलेवार विस्फोटों ने राज्य की सुरक्षा एजंसियों की सतर्कता और खुफिया चौकसी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इन विस्फोटों की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दोनों जगह सुरक्षा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश की गई। आतंक के इस तंत्र को लेकर सबसे बड़ी चुनौती यह है कि विभिन्न समूहों से जुड़े ज्यादातर आतंकी किसी आम नागरिक की तरह समाज में घुल-मिलकर रहते हैं, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल होता है। मौका मिलने पर वे अपने आकाओं के निर्देश पर हमला करने के लिए सक्रिय हो जाते हैं। गौरतलब है कि पंजाब के जलंधर में मंगलवार रात करीब आठ बजे सीमा सुरक्षा बल के पंजाब फ्रंटियर के मुख्यालय के बाहर विस्फोट हुआ। इसके बाद दूसरा धमाका रात करीब ग्यारह बजे अमृतसर में सैन्य छावनी के पास हुआ। जलंधर में हुए विस्फोट की जिम्मेदारी प्रतिबंधित संगठन खालिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली है और पुलिस ने भी इसकी पुष्टि की है। इससे पहले पटियाला के शंभू इलाके में 27 अप्रैल को एक मालगाड़ी की पटरी पर विस्फोट हुआ था। पुलिस ने इस सिलसिले में खालिस्तान समर्थक एक आतंकी गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया था। ये घटनाएं खुफिया तंत्र की विफलता और सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर खामी की ओर इशारा करती हैं। राज्य पुलिस का मानना है कि इन आतंकी वारदातों के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ है। सीमा पार से खालिस्तान समर्थक आतंकी समूहों को प्रशिक्षण, विस्फोटक सामग्री और हथियार मुहैया कराए जा रहे हैं। मगर सवाल है कि सुरक्षा एजंसियां इस तरह की गतिविधियों पर नियमित नजर रखने और किसी भी वारदात से पहले ही आतंकियों को धर-दबोचने में नाकाम क्यों हो रही हैं? पुलिस के मुताबिक, अमृतसर में विस्फोट स्थल पर आईईडी के टुकड़े मिले हैं, जिससे संकेत मिलता है कि यह या तो टाइम बम से किया गया विस्फोट था या फिर रिमोट कंट्रोल से धमाका किया गया। ऐसे में सुरक्षा प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। अगर सुरक्षाबलों के परिसर में ही चौकसी के बंदोबस्त इतने कमजोर हैं कि कोई भी वहां विस्फोटक सामग्री रख सकता है, तो फिर अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था का स्तर कैसा होगा, इसका अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है। पंजाब में आतंकी तंत्र के फैलते दायरे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले वर्ष जुलाई में सुरक्षा एजंसियों ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल के तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया था। इसके करीब तीन माह बाद ग्रेनेड हमले की साजिश में दस संदिग्धों को पकड़ा गया।

कहानी

मैं झूठ नहीं बोलूंगा

जावेद नौ-दस साल का लड़का था, निहायत तमीज़-दार और पढ़ाई-लिखाई में तेज़। न किसी से लड़ता-झगड़ता था और न ही अपनी किसी बात से किसी की दिल-आज़ारी करता था। उसकी अच्छी आदतों की वजह से स्कूल में उसकी तमाम उस्तानियाँ और दोस्त और घर में उसकी अम्मी और अब्बू उससे बहुत खुश थे। अच्छे बच्चों से सब ही खुश रहते हैं। चूँकि उसका न कोई भाई था न बहन, इसलिए वो अगर घर में होता तो अपनी अम्मी के पीछे-पीछे ही फिरता रहता था और उनको स्कूल में होने वाली हर बात बताता। अम्मी कोई काम कर रही होतीं तो काम में उनका हाथ बटाता। जावेद की एक अच्छी बात ये भी थी कि वो स्कूल से कभी छुट्टी नहीं करता था। उसे इस बात का इल्म था कि छुट्टियाँ करने वाले बच्चे पढ़ाई में पीछे रह जाते हैं। अगर कभी बुख़ार की वजह से उसकी तबीयत ख़राब हो जाती तो उसकी अम्मी को ज़बरदस्ती उसकी छुट्टी करवाना पड़ती थी वर्ना वो तो छुट्टी करने पर राज़ी ही नहीं होता था। उसके अब्बू एक प्राईवेट कंपनी में एकाउंटैंट थे और कंपनी का सारा हिसाब-किताब का काम उनके ज़िम्मे था। जिस कंपनी में वो काम करते थे वहाँ गाय-भैंसों का दूध साइंटिफ़िक तरीक़ों से डिब्बों में बंद कर के मुल्क भर में सप्लाई किया जाता था। हफ़्ते के छः दिन उसके अब्बू काम पर होते थे और उन छः दिनों में भी रात को देर से घर आते थे। अपनी इन मसरुफ़ियात की वजह से वो जावेद को ज़्यादा टाइम नहीं दे सकते थे मगर उनको इस बात पर बहुत इत्मीनान होता था कि उनकी सख़्त मेहनत की वजह से उनके घर वालों की ज़िंदगी बग़ैर किसी फ़िक्र के हंसी-खुशी गुज़र रही है। जिस घर में वो रहते थे वो उनका अपना था। वैसे तो उन्हें कंपनी वालों की तरफ़ से ट्रांसपोर्ट की सहूलत हासिल थी, मगर उन्होंने कुछ अरसे पहले एक गाड़ी भी ख़रीद ली थी ताकि जावेद की अम्मी और जावेद को उनकी ग़ैर-मौजूदगी में कहीं आना-जाना हो तो उन्हें किसी क़िस्म की कोई परेशानी न उठानी पड़े। उनको एहसास था कि उन्हें ये सारी आसाइशें उनकी कंपनी की वजह से हासिल थीं, इसलिए वो इज़्हार-ए-तशक्कुर के तौर पर बहुत ज़्यादा दिल लगा कर अपनी ड्यूटी अंजाम देते थे। इतवार या किसी दूसरी छुट्टी वाले दिन जावेद बहुत खुशी महसूस करता थ क्योंकि उस रोज़ उसके अब्बू घर पर होते थे। जावेद पूरी कोशिश करता था कि छुट्टी वाले रोज़ सुब्ह-सवेरे उठ कर अब्बू के पास ही जा कर बैठ जाए। उसके अब्बू छुट्टी वाले दिन या तो अख़बार पढ़ते थे या फिर टीवी देखते रहते थे। ऐसे में जावेद अपने खिलौने और छोटी-छोटी कहानियों की किताबें ले कर उनके पास ही क़ालीन पर बैठ जाता था। अब्बू कभी-कभी टीवी या अख़बार से नज़रें हटा कर उसको भी देख कर मुस्कुरा देते। उनकी ये मुस्कुराहट जावेद को बहुत अच्छी लगती थी। वो छुट्टी वाले रोज़ अपने अब्बू से किसी क़िस्म की कोई ज़िद नहीं करता था। उसकी अम्मी ने उसको समझा रखा था कि उसके अब्बू पूरे हफ़्ते ऑफ़िस के कामों में मसरूफ़ रहते हैं, छुट्टी वाला दिन उनके आराम का होता है, इसलिए उनको तंग नहीं करना चाहिए। जावेद अपनी अम्मी की हर बात ग़ौर से सुनता था और उस पर अमल भी करता था। उसने कभी भी अपने अब्बू को बेजा ज़िदों से तंग नहीं किया था। उसके अब्बू कभी-कभी उसे और उसकी अम्मी को घुमाने-फिराने भी ले जाते थे। महीने में एक-आध बार वो लोग बाहर खाना भी खाने जाते थे। आज भी जावेद के अबू ड्राइंग-रूम में टीवी पर अपने पसंदीदा प्रोग्राम से लुत्फ़-अंदोज़ हो रहे थे। खुला हुआ अख़बार उनके हाथ में था, प्रोग्राम के दौरान जब वक़्फ़ा होता और उस वक़्फ़े के दौरान मुख़्तलिफ़ क़िस्म के इश्तिहार दिखाए जाने लगते तो वो अख़बार की तरफ़ मुतवज्जह हो जाते। उस वक़्त जावेद ने अपने खिलौनों की बास्केट में से तमाम छोटी-बड़ी गाड़ियाँ निकाल ली थीं और मुँह से गाड़ी के इंजन की आवाज़ निकाल कर झूट-मूट की रेस लगा रहा था। उसकी अम्मी किचन में खाना बनाने में मसरूफ़ थीं। छुट्टी वाले रोज़ वो बड़ी अच्छी-अच्छी चीज़ें पकाती थीं और इस बात पर बहुत खुश होती थीं कि दोपहर के खाने पर सब साथ होंगे। अचानक इत्तिलाई घंटी की आवाज़ कानों में आई।

गे निकल गई है। अब विपक्षी दलों का आरोप है कि निर्वाचन आयोग ने पहले गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया यानी एसआइआर के तहत लाखों मतदाताओं के वोट काटे और फिर चुनाव आयोग और केंद्रीय बलों ने भाजपा के इशारे पर काम करते हुए चुनावी गड़बड़ी की। यदि चुनाव प्रक्रिया इतनी व्यापक रूप से प्रभावित की जा सकती थी, तो अन्य राज्यों तमिलनाडु या केरलम में अलग-अलग नतीजे कैसे आए? केरलम में तो कांग्रेस को प्रचंड जीत मिली है। विपक्ष इस तथ्य को नकार देता है कि बंगाल में भाजपा की उपस्थिति कोई नई नहीं है। पहले जनसंघ और बाद में भाजपा वहां पैर जमाने की कोशिश सदैव करती रही। 2016 के विधानसभा चुनाव में उसे 10 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले थे, जो 2021 में बढ़कर 37.97 प्रतिशत हुए और अब 45.85 प्रतिशत। तृणमूल कांग्रेस के वोट 2021 के 48.02 प्रतिशत से घटकर 2024 में 40.80 प्रतिशत पर आ गए। 15 साल की एंटी इनकंबेंसी, भ्रष्टाचार के आरोप, मुस्लिम तुष्टीकरण के विरुद्ध हिंदू ध्रुवीकरण, महिलाओं की सुरक्षा और कांग्रेस, वाम दलों का तृणमूल के खिलाफ होना ममता की हार की वजहों में रहे। चुनावी धांधली का आरोप नया नहीं है। तमाम प्रयासों के बावजूद चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह दोषमुक्त कभी नहीं रही। दिलचस्प है कि 1952 में जब पहला चुनाव हुआ था, तब प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन को 9 फरवरी 1952 को एक पत्र

ससुराल से दूरी और पति पर पकड़ क्यों?

डॉ. प्रियंका सौरभ

शादी कोई सत्ता-संघर्ष नहीं, बल्कि दो व्यक्तियों के बीच भरोसे, सम्मान और जिम्मेदारी का रिश्ता है। लेकिन हमारे समाज में कई बार विवाह को साझेदारी के बजाय नियंत्रण का खेल बना दिया जाता है, जहाँ एक पक्ष अपनी परंपराएँ थोपना चाहता है और दूसरा अपनी स्वतंत्रता बचाने के लिए कठोर रुख अपना लेता है। यही टकराव आगे चलकर झगड़े, दूरी और अविश्वास में बदल जाता है, और फिर लोग पूरे रिश्ते को ही दोष देने लगते हैं। असल समस्या रिश्ते में नहीं, बल्कि रिश्ते को समझने की सोच में होती है।

आज जो वैवाहिक तनाव दिखाई देता है, उसे केवल महिलाओं की सोच कहकर खारिज करना आसान है, लेकिन यह अधूरा विश्लेषण होगा। भारतीय परिवारों में लंबे समय तक पुरुष को निर्णयकर्ता और महिला को समर्पित भूमिका में रखा गया। इस ढाँचे में बहू से अपेक्षा की गई कि वह सब कुछ स्वीकार करे, चुप रहे, ढले और परिवार की परंपराओं को बिना सवाल के निभाए। दूसरी ओर, नई पीढ़ी की महिलाएँ शिक्षा, नौकरी, आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान के कारण इस भूमिका को चुनौती देने लगी हैं। वे अब सिर्फ 'बहू' बनकर नहीं रहना चाहतीं, वे व्यक्ति के रूप में सम्मान पाना चाहती हैं।

यही वह बिंदु है जहाँ पीढ़ियों का अंतर साफ दिखाई देता है। पहले विवाह का अर्थ था पति के घर में जाकर उसी व्यवस्था को अपनाना, चाहे वह व्यवस्था न्यायपूर्ण हो या नहीं। आज की स्त्री यह मानती है कि शादी के बाद भी उसका अपना व्यक्तित्व, उसका परिवार, उसके विचार और उसकी सीमाएँ बनी रहनी चाहिए। यह मांग अपने आप में गलत नहीं है। हर इंसान को अपने सम्मान और अपनी पहचान के साथ जीने का अधिकार है। समस्या तब शुरू होती है जब इस अधिकार को अड़ियलपन या विद्रोह समझ लिया जाता है।

दूसरी तरफ, कई पुरुष भी पुराने ढर्रे में फँसे रहते हैं। वे चाहते हैं कि पत्नी उनके परिवार में पूरी तरह घुल जाए, उनकी माता-पिता की हर बात माने, घर की हर परंपरा निभाए और किसी भी स्थिति में सवाल न उठाए। वे यह भूल जाते हैं कि शादी दो व्यक्तियों का मिलन है, न कि एक व्यक्ति का दूसरे पर अधिकार। जब पुरुष यह सोच रखता है कि पत्नी को बस समायोजन करना है, और उसे बदलने का अधिकार सिर्फ उसी के पास है, तब रिश्ते में असंतुलन पैदा होता है। यह असंतुलन धीरे-धीरे शंका, कटुता और दूरी में बदल जाता है।

ससुराल का रिश्ता तब तक मधुर रहता है जब तक उसमें सम्मान हो। सम्मान का अर्थ केवल औपचारिक आदर नहीं, बल्कि भावनात्मक स्वीकार्यता है। बहू से यह उम्मीद करना कि वह अपने माता-पिता, अपने संस्कार, अपने विचार और अपनी प्राथमिकताएँ छोड़ दे, वास्तव में एक प्रकार का भावनात्मक दबाव है। विवाह के बाद नया घर मिलना अलग बात है, लेकिन पुराने रिश्तों को काट देना अलग बात है। एक स्त्री एक ही समय में बेटी भी रह सकती है, पत्नी भी रह सकती है और बहू भी। समस्या तब होती है जब उससे केवल बहू बनकर रहने की माँग की जाती है, और बाकी पहचानों को महत्व नहीं दिया जाता।

इसी तरह यह भी सच है कि कुछ मामलों में पत्नी भी रिश्ते को साझेदारी की बजाय नियंत्रण की लड़ाई बना देती है। वह पति को प्रेम, समझ और संवाद से नहीं, बल्कि दबाव, शिकायत और आरोप के माध्यम से चलाना चाहती है। ऐसा व्यवहार भी रिश्ते को कमजोर करता है। विवाह में यदि एक पक्ष हर बात पर हावी होने की कोशिश करे, तो दूसरा या तो टूटता है या प्रतिरोध में कठोर हो जाता है। इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि गलती केवल पुरुषों की है या केवल महिलाओं की। समस्या उस मानसिकता की है जो विवाह को सहयोग की जगह शक्ति-संतुलन की लड़ाई बना देती है।

असल में, भारतीय समाज में विवाह पर कई परतें एक साथ काम करती हैं। प्रेम, परंपरा, जाति, परिवार, संपत्ति, प्रतिष्ठा और सामाजिक दबाव, सब मिलकर शादी को प्रभावित करते हैं। ऐसे में किसी एक व्यक्ति से यह अपेक्षा करना कि वह बिना विरोध किए सब कुछ स्वीकार कर ले, अवास्तविक है। समाज बदल रहा है, शिक्षा बढ़ी है, आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ी है, और सूचना के साधन भी बढ़े हैं। अब लोग पुराने निर्णयों को बिना सवाल किए नहीं मानते। यही कारण है कि विवाह के भीतर संवाद की ज़रूरत पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि संवाद की जगह अक्सर आरोप, शिकायत और भावनात्मक दूरी ले लेती है।

कई घरों में समस्या पति-पत्नी के बीच कम और परिवार की हस्तक्षेपकारी भूमिका के कारण अधिक बढ़ती है। सास-ससुर, भाई-बहन, रिश्तेदार और समाज, सब मिलकर दंपति के निजी जीवन में राय देने लगते हैं। हर छोटी बात पर सलाह, तुलना और दखल रिश्ते को खोखला कर देती है। जब पति अपनी पत्नी के पक्ष में खड़ा नहीं होता, तब पत्नी को लगता है कि शादी के बाद उसका अपना कोई सहारा नहीं बचा। और जब पति को लगता है कि पत्नी उसके घर में आई है, इसलिए उसे पूरी तरह झुकना चाहिए, तब वह संवेदनशीलता खो देता है। ऐसे में दोनों ओर से दूरी बढ़ती है। रिश्ते में प्रेम कम और रणनीति अधिक दिखने लगती है।

यह भी समझना होगा कि स्वतंत्रता और स्वच्छंदता एक ही चीज़ नहीं हैं। किसी स्त्री का अपने सम्मान के लिए बोलना, अपने निर्णय लेना और अपने आत्मसम्मान की रक्षा करना स्वच्छंदता नहीं है। लेकिन यदि वह हर बात में टकराव को ही समाधान समझने लगे, तो रिश्ते में शांति नहीं रह सकती। इसी तरह पुरुष का परिवार के प्रति जिम्मेदार होना जरूरी है, लेकिन जिम्मेदारी के नाम पर पत्नी पर एकतरफा शासन करना न्याय नहीं है। पति-पत्नी के संबंध में मर्यादा, संवेदना और सम्मान का संतुलन होना चाहिए। जब तक यह संतुलन नहीं होगा, तब तक शादी में तनाव बना रहेगा।

समाज को यह स्वीकार करना पड़ेगा कि आज की महिला पहले जैसी चुप और सहने वाली नहीं रही। यह बदलाव बुरा नहीं है। यह सामाजिक विकास का संकेत है। जिस स्त्री ने शिक्षा पाई है, जो कमाती है, जो अपने अधिकार समझती है, वह अब हर बात पर समझौता नहीं करेगी। उसे यह भी एहसास है कि शादी का अर्थ आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि साझी ज़िंदगी है। इसी तरह पुरुष को भी यह समझना होगा कि पत्नी का सम्मान करना उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी परिपक्वता है। जो पति अपनी पत्नी को बराबरी से देख सकता है, वही वास्तव में मजबूत है। जो पति अपनी पत्नी को दबाकर रखना चाहता है, वह ताकतवर नहीं, असुरक्षित होता है।

परिवारों के भीतर सबसे बड़ी जरूरत यह है कि रिश्तों को पदानुक्रम की तरह नहीं, बल्कि साझेदारी की तरह देखा जाए। बेटी को अपने घर में जो सम्मान मिला है, वही सम्मान बहू के रूप में भी मिलना चाहिए। पत्नी को पति के घर में अनुग्रह नहीं, अधिकार मिलना चाहिए। पति को भी केवल कमाने वाला नहीं, समझने वाला, सुनने वाला और जिम्मेदारी बाँटने वाला साथी बनना चाहिए। यह बात जितनी जल्दी समझ ली जाएगी, उतनी जल्दी वैवाहिक रिश्तों में तनाव कम होगा। विवाह का भविष्य दमन में नहीं, संवाद में है। डर में नहीं, भरोसे में है। आदेश में नहीं, समानता में है।

आज जरूरत इस बात की है कि हम महिलाओं के बारे में सामान्यीकरण बंद करें। हर महिला एक जैसी नहीं होती। हर पुरुष भी एक जैसा नहीं होता। कुछ महिलाएँ सचमुच रिश्ते में हावी होने की कोशिश करती हैं, तो कुछ केवल सम्मान और सुरक्षा चाहती हैं। कुछ पुरुष सच्चे जीवनसाथी होते हैं, तो कुछ केवल अपनी इच्छा थोपना जानते हैं। इसलिए किसी एक वर्ग को दोषी ठहराना समाधान नहीं है। सही दृष्टि यह है कि हम रिश्तों को इंसानी स्तर पर समझें, न कि लिंग के आधार पर एकतरफा निष्कर्ष निकालें।

विवाह को बचाने के लिए सबसे पहले अहंकार को कम करना होगा। पति को यह स्वीकार करना होगा कि पत्नी उसकी संपत्ति नहीं है। पत्नी को यह समझना होगा कि पति को नियंत्रित करना प्रेम नहीं है। ससुराल को यह मानना होगा कि बहू कोई बाहरी वस्तु नहीं, परिवार की सदस्य है। और मायके को यह भी समझना होगा कि हर समस्या का समाधान दखल नहीं, धैर्य और संवाद है। जब तक हर पक्ष अपनी भूमिका को अधिकार और दबाव के रूप में देखता रहेगा, तब तक समस्या बनी रहेगी।

सच यह है कि आधुनिक विवाह में सबसे बड़ी चुनौती स्वतंत्रता और जिम्मेदारी के बीच संतुलन की है। यदि स्वतंत्रता केवल अपने लिए चाही जाए और जिम्मेदारी दूसरे पर डाल दी जाए, तो रिश्ता नहीं चलेगा।

सामरिक तैयारी को देनी होगी और धार

हर सफलता अपने साथ कुछ सबक लेकर आती है और इस पैमाने पर आपरेशन सिंदूर भी अपवाद नहीं रहा। इसमें पाकिस्तान की परमाणु हेकड़ी की हवा पूरी तरह निकल गई। हालांकि तनाव भड़कने से जुड़े पहलू अभी भी कायम हैं, लेकिन भारत के स्पष्टता भरे रुख ने एक रेखा अवश्य खींच दी है। आपरेशन सिंदूर तीनों सेनाओं के बीच अद्भुत समन्वय का साक्षी भी बना। विशेष रूप से अरब सागर में नौसेना की तत्परता से तैनाती से जुड़ा पहलू बहुत सराहनीय रहा। इसके बावजूद यह भी स्वीकार करना होगा कि तीनों सेनाओं के बीच सामंजस्य को बेहतर बनाने की दिशा में अभी और प्रयास करने होंगे। खासतौर से रीयल टाइम में एकीकृत परिचालन को लेकर। आपरेशन सिंदूर ने लक्ष्य को चिह्नित कर सटीक प्रहार की क्षमताओं के साथ दूर से ही दुश्मन को सबक सिखाने में सुरक्षा बलों की भूमिका को और पुख्ता किया।

भारत की पाकिस्तान नीति में आपरेशन सिंदूर एक निर्णायक पड़ाव के रूप में सामने आया था। एक सीमित अवधि में चले इस सैन्य अभियान के परिणाम बहुत व्यापक निहितार्थों वाले रहे। पहलगाम में हुए नृशंस आतंकी हमले के जवाब में इस अभियान के दौरान पाकिस्तान के सुदूरवर्ती स्थलों पर संचालित आतंकी ठिकानों को सफलतापूर्वक ध्वस्त करने का काम किया गया। आतंकी ढांचे पर नई दिल्ली की यह प्रतिक्रिया न तो नितांत भावनात्मक रही और न ही विशुद्ध प्रतीकात्मक।

यह एक नपी-तुली सुनियोजित सामरिक कार्रवाई थी, जिसने प्रतिरोध के नए पैमाने को परिभाषित करने का काम किया। भारत की ओर से ऐसा करारा जवाब दिया गया और ऐसे-ऐसे पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया गया, जिनके बारे में पाकिस्तान ने शायद सोचा भी नहीं होगा। पाकिस्तान की मनुहार के बाद भारत ने चार दिन बाद भले ही संघर्ष विराम पर सहमति जताई हो, लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया कि अभियान केवल थमा है, समाप्त नहीं हुआ। आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने न केवल अपनी मारक क्षमताओं का प्रदर्शन किया, बल्कि वह दृढ़ता भी दिखाई कि उस पर हुए हमलों का किसी भी कीमत पर ऐसा जवाब दिया जाएगा, जिसे दुश्मन लंबे अर्से तक याद रखे। राजनीतिक नेतृत्व की स्पष्टता के साथ सैन्य बलों ने अपने शौर्य का अप्रतिम परिचय दिया। हर सफलता अपने साथ कुछ सबक लेकर आती है और इस पैमाने पर आपरेशन सिंदूर भी अपवाद नहीं रहा। इसमें पाकिस्तान की परमाणु हेकड़ी की हवा पूरी तरह निकल गई। हालांकि तनाव भड़कने से जुड़े पहलू अभी भी कायम हैं, लेकिन भारत के स्पष्टता भरे रुख ने एक रेखा अवश्य खींच दी है। आपरेशन सिंदूर तीनों सेनाओं के बीच अद्भुत समन्वय का साक्षी भी बना। विशेष रूप से अरब सागर में नौसेना की तत्परता से तैनाती से जुड़ा पहलू बहुत सराहनीय रहा। इसके बावजूद यह भी स्वीकार करना होगा कि तीनों सेनाओं के बीच सामंजस्य को बेहतर बनाने की दिशा में अभी और प्रयास करने होंगे। खासतौर से रीयल टाइम में एकीकृत परिचालन को लेकर। आपरेशन सिंदूर ने लक्ष्य को चिह्नित कर सटीक प्रहार की क्षमताओं के साथ दूर से ही दुश्मन को सबक सिखाने में सुरक्षा बलों की भूमिका को और पुख्ता किया। मिसाइल, ड्रोन और बियोंड-विजुअल रेंज वाले संघर्ष ने भारत के जोखिम घटाते हुए हमलों के अधिकतम प्रभाव को सुनिश्चित किया। हालांकि इस दौरान हवाई रक्षा प्रतिरोध, ड्रोन रोधी क्षमताओं, खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही क्षमताओं के अलावा संचार संबंधी लचीलेपन के स्तर पर मौजूद कुछ कमजोरियां भी उजागर हुईं। नीति-नियंताओं के लिए इसका स्पष्ट संदेश है कि प्रणालीगत पूर्ण एकीकरण के अभाव में केवल अपनी सुविधा के साथ विशिष्ट तकनीकों को अपनाने की अपनी सीमाएं भी होती हैं। वैसे तो इस सैन्य संघर्ष में भारत ने निर्णायक प्रभुत्व के साथ सफलता हासिल की, लेकिन शुरुआती स्तर पर लगे कुछ झटकों ने सैन्य क्षमताओं में विद्यमान कुछ असंतुलन की ओर भी संकेत किया। आवश्यक स्क्वाड्रन क्षमताओं का अभाव, लंबी दूरी तक प्रहार करने वाली प्रणालियों की सीमाएं और इलेक्ट्रानिक युद्ध के मोर्चे पर जो कमजोरियां दिखीं, उन्हें तत्काल प्रभाव से दूर कर स्वयं को सशक्त करना होगा। आपरेशन सिंदूर के साथ ही भारत ने आतंकवाद से निपटने को लेकर अपना दृष्टिकोण और स्पष्ट किया। भारत ने स्पष्ट कर दिया था कि आतंकवादी तत्वों और उन्हें संरक्षण देने वाले देशों के बीच कोई अंतर नहीं किया जाएगा और उन्हें इसकी कीमत भी चुकानी होगी। इस अभियान से संबंधित तकनीकी आयाम भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। इस क्रम में ड्रोन, लायटरिंग म्यूनिशंस यानी घातक ड्रोन और अत्याधुनिक हवाई रक्षा कवच का व्यापक उपयोग न केवल भारत के अपने अनुभवों पर आधारित रहा, बल्कि उसने समकालीन वैश्विक संघर्षों के रुझानों से लिए

राहत भरी खबर

यह केवल पश्चिम एशिया ही नहीं, पूरे विश्व के लिए राहत की बात है कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के आसार बढ़ गए हैं। इसका संकेत इससे मिलता है कि जहां दोनों देश एक 14 सूत्रीय शांति प्रस्ताव पर विचार-विमर्श कर रहे हैं, वहीं अमेरिका ने ईरान के खिलाफ आपरेशन एपिक फ्यूरी नामक अपने सैन्य अभियान को समाप्त करने के साथ होर्मुज समुद्री मार्ग से जहाजों की आवाजाही के खिलाफ चलाए जा रहे आपरेशन फ्रीडम को भी रोकने की घोषणा की। आपरेशन फ्रीडम के बाद भी जहाजों का आवागमन सुगम तो नहीं हो पाया था, लेकिन शायद ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी ने ईरान के नेतृत्व को अपना रवैया नरम करने को बाध्य किया। जो भी हो, जब तक दोनों पक्षों के बीच वास्तव में समझौता नहीं हो जाता, तब तक न तो पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की आशा की जा सकती है और न ही पूरी दुनिया को बुरी तरह प्रभावित कर रहे ऊर्जा संकट से मुक्ति की। ध्यान रहे कि अमेरिका और ईरान के बीच पहले दौर की शांति वार्ता नाकाम हो गई थी और दूसरे दौर की वार्ता हो ही नहीं पाई थी। इसके बाद दोनों देश एक-दूसरे को धमकाने में जुट गए थे। विश्व अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी शांति की कितनी बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहा है, इसका पता इससे चलता है कि दोनों के बीच समझौते की दिशा में आगे बढ़ने की खबर आते ही तेल के दाम गिर गए और शेयर बाजारों में भी सकारात्मक असर दिखा। यदि किसी कारण दोनों देशों के बीच होने वाली वार्ता में ठोस प्रगति नहीं होती तो टकराव की आशंकाएं उभरने में देर नहीं लगेगी। ऐसा न हो, इसके लिए जहां अमेरिका को सब कुछ अपने मन मुताबिक होने की अपेक्षा का परित्याग करना होगा, वहीं ईरान को भी अपना यह हठ छोड़ना होगा कि परमाणु मसले पर कोई समझौता नहीं हो सकता और होर्मुज पर उसका अधिकार होना चाहिए। ईरान कुछ भी कहे, उसे न तो परमाणु हथियार बनाने की अनुमति दी जा सकती है और न ही इसकी कि वह होर्मुज को अपनी निजी जागीर माने। यदि ईरान चैन से रहने के साथ औरों को भी चैन से रहने देना चाहता है तो उसे इजरायल के लिए खतरा बने हमास, हिजबुल्ला जैसे आतंकी गुटों को सहयोग-समर्थन देने से पीछे हटना होगा।

शिक्षक सहायक भर्ती के विरोध में उतरा रूक्टा

नियमित भर्ती नहीं हुई तो सड़कों पर उतरेंगे शिक्षक

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राजस्थान महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (रूक्टा) ने प्रदेश के राजसेस महाविद्यालयों में शिक्षक सहायक भर्ती प्रक्रिया का कड़ा विरोध जताते हुए सरकार को चेतावनी दी है कि यदि भर्ती प्रक्रिया को निरस्त कर राजस्थान लोक सेवा आयोग के माध्यम से नियमित भर्ती नहीं की गई तो प्रदेशभर के कॉलेज शिक्षक आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। रूक्टा के महामंत्री डॉ. बनय सिंह ने जारी बयान में कहा कि सरकार अग्निवीर योजना के बाद अब 'शिक्षावीर योजना' लेकर आई है, जो उच्च शिक्षा और योग्य युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि सहायक आचार्य पद के लिए आवश्यक सभी योग्यताएं प्राप्त करने वाले युवाओं को अत्यंत कम मानदेय पर नियुक्त करने की तैयारी की जा रही है, जो शिक्षित बेरोजगारों का अपमान है। डॉ. बनय सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार की यह नीति न केवल योग्य अभ्यर्थियों का शोषण है, बल्कि प्रदेश के विद्यार्थियों के हितों की भी अनदेखी करती है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था में अस्थायी और कम वेतन वाली नियुक्तियां शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करेंगी।

रूक्टा अध्यक्ष रघुराज परिहार ने कहा कि संगठन लंबे समय से राजसेस महाविद्यालयों की व्यवस्था और अस्थायी शिक्षकों की नियुक्तियों का विरोध करता रहा है। उनका कहना था कि इससे युवाओं का भविष्य असुरक्षित हो रहा है और उन्हें स्थायी रोजगार से दूर किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार नियमित महाविद्यालयों में भी नए विषयों को राजसेस योजना के तहत संचालित कर उच्च शिक्षा के ढांचे को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। रघुराज परिहार ने कहा कि यह कदम प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकता है। रूक्टा पदाधिकारियों ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग के महाविद्यालयों में सहायक आचार्य पद के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप योग्यता व वेतनमान निर्धारित हैं। इसके बावजूद शिक्षक सहायक जैसे पद सृजित कर राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड से भर्ती विज्ञापन जारी करना नियमों के विपरीत और असंवैधानिक है।

संगठन ने चेतावनी दी कि यदि सरकार तत्काल प्रभाव से भर्ती विज्ञापन निरस्त नहीं करती है तो रूक्टा चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगा। आवश्यकता पड़ने पर आगामी शैक्षणिक सत्र में शिक्षण कार्य के बहिष्कार का निर्णय भी लिया जा सकता है।

सांभरलेक में स्मैक सप्लायर दबोचा: घर के बाहर बेच रहा था नशा

21 पुड़ियों में 1.36 ग्राम स्मैक बरामद

जयपुर टाइम्स

सांभरलेक(निस)। जयपुर ग्रामीण पुलिस की ओर से चलाए जा रहे 'ऑपरेशन एंटी वेनम 3.0' के तहत सांभरलेक थाना पुलिस ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए एक स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी घर के बाहर ही स्मैक की पुड़ियां बेच रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से 21 पुड़ियों में भरी स्मैक, नकदी, मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद ने बताया कि जयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश के निर्देश पर जिलेभर में 1 मई से 31 मई तक मादक पदार्थ तस्करों और नशा कारोबारियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा तथा वृत्ताधिकारी सांभरलेक अनुपम मिश्रा के सुपरविजन में थाना प्रभारी राममिलन मीणा के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि निर्माणों का मोहल्ला क्षेत्र में एक युवक अपने घर के पास स्मैक बेचने का धंधा कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने अपना नाम अब्दुल वहीद गौड़ पुत्र अब्दुल अजीज गौड़ निवासी निर्माणों का मोहल्ला, सांभरलेक बताया। तलाशी के दौरान पुलिस को आरोपी के पास से 21 पुड़ियों में रखी स्मैक बरामद हुई। इसके साथ ही स्मैक बिक्री के 1600 रुपए नकद, एक मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। मौके पर मादक पदार्थ का वजन कराया गया तो कुल 1.36 ग्राम स्मैक होना पाया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी को स्मैक की सप्लाई कहां से हो रही थी और वह किन-किन लोगों तक नशे की खेप पहुंचाता था। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी राममिलन मीणा, सहायक उप निरीक्षक सत्यनारायण कुमावत, रमेश कुमार, श्रवण कुमार, श्यामलाल, ओमप्रकाश, महेश कुमार, महिला कांस्टेबल मंजू तथा गजानंद की विशेष भूमिका रही ।

भीषण गर्मी में बेजुबानों के लिए पहल

श्री किशोरी कृपा सेवा संस्थान ने शुरू किया 151 जल पात्र रखने का अभियान

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। भीषण गर्मी के बीच मूक पशु-पक्षियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से श्री किशोरी कृपा सेवा संस्थान की ओर से जिले में 151 जल पात्र रखने के अभियान की शुरुआत की गई। अभियान के तहत शहर की विभिन्न कॉलोनियों और सार्वजनिक स्थानों पर पशु-पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था की जाएगी। संस्थान के संस्थापक आचार्य योगेश कृष्ण शास्त्री ने कहा कि गर्मी के दिनों में पानी अमृत के समान होता है। मनुष्य अपनी प्यास कहीं भी बुझा सकता है, लेकिन मूक पशु-पक्षी पानी के अभाव में तड़पते रहते हैं। कई बार गाय और अन्य पशु घरों के बाहर पानी की तलाश में खड़े दिखाई देते हैं। उन्होंने बताया कि संस्था की ओर से गायों के लिए बड़े सीमेंटेड जल पात्र तथा पक्षियों के लिए परिंदे लगाने की पहल की गई है। शहर में ऐसे स्थान चिन्हित किए जा रहे हैं जहां लोग स्वेच्छा से जल पात्रों में नियमित पानी भर सकें, ताकि बेजुबान जीवों की प्यास बुझाई जा सके। आचार्य योगेश कृष्ण शास्त्री ने लोगों से अपील की कि वे अपने घरों की छतों, बालकनी और आंगन में मिट्टी के पात्रों में साफ पानी रखें। उनका कहना था कि लोगों की छोटी-सी पहल भीषण गर्मी में पक्षियों और पशुओं की जिंदगी बचा सकती है। अभियान के दौरान संस्था के कोषाध्यक्ष नीरज तिवारी, भगवान सिंह मीना, प्रदीप शर्मा, अम्बरीष शर्मा, योगेश सिकरवार, अलकेश गोस्वामी, दिगपाल चौधरी, संगीता गुप्ता, नीलम दीक्षित, विजय शर्मा, किशन यादव सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीजी कॉलेज मार्ग पर मीट अवशेष फेंकने का विरोध, एबीवीपी ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) इकाई धौलपुर ने गुरुवार को पीजी कॉलेज मार्ग पर मीट के अवशेष फेंके जाने की समस्या को लेकर विरोध प्रदर्शन किया तथा जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। विद्यार्थियों ने चेतावनी दी कि 10 दिन के भीतर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक समरथ गुर्जर ने बताया कि पीजी कॉलेज धौलपुर जिले का सबसे बड़ा महाविद्यालय है, जहां करीब 4 हजार विद्यार्थी अध्ययन करने आते हैं। कॉलेज तक पहुंचने के लिए स्टेशन रोड स्थित कमल होटल मार्ग ही मुख्य रास्ता है, जिससे आसपास के कई गांव भी जुड़े हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मार्ग पर मीट का व्यवसाय करने वाले दुकानदार मीट के अवशेष सड़क किनारे फेंक देते हैं, जिससे क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है और विद्यार्थियों व आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर मंत्री सूरज गुर्जर एवं इकाई अध्यक्ष अभिषेक जाट ने कहा कि सड़कों पर पड़े अवशेषों के कारण वातावरण प्रदूषित हो रहा है और संक्रमण फैलने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने कहा कि दुर्गंध के कारण लोगों का रास्ते से गुजरना मुश्किल हो गया है। महाविद्यालय इकाई उपाध्यक्ष सानिया एवं तमन्ना ने बताया कि इस समस्या को लेकर पूर्व में भी कई बार ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई कर मीट अवशेष फेंकने पर रोक लगाने की मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान समरथ गुर्जर, सूरज गुर्जर, अभिषेक जाट, सानिया, गुनगुन, तमन्ना, सानिया खान, वाशिंका, तनु, सुधा, श्लोक शर्मा, ओमकार शर्मा, सचिन गुर्जर, सागर कश्यप, सचिन मीणा, अंकित, अमित दिवाकर सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राजाखेड़ा क्षेत्र के गांव सामौर स्थित बाबू महाराज मंदिर में गुरुवार को भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाएं और कन्याएं सिर पर कलश धारण कर शामिल हुईं। बैंड-बाजों, भजन-कीर्तन और जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में रंग गया। कथा का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार व विधि-विधान से किया गया। यज्ञाचार्य आचार्य पं. वेदप्रकाश वशिष्ठ ने गौरी-गणेश एवं श्रीमद्भागवत का पूजन कर कथा प्रारंभ करवाई। कथा का लाइव प्रसारण 'आचार्य वेद वाणी' यूट्यूब चैनल पर भी किया जा रहा है। कथावाचक पं. तेजप्रकाश वशिष्ठ ने श्रीमद्भागवत की महिमा का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि परोपकार से बड़ा कोई पुण्य नहीं है और परपीड़ा से बड़ा कोई पाप नहीं है। उन्होंने भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की महत्ता बताते हुए कहा कि भगवान के नाम जप से मनुष्य पापों से मुक्ति प्राप्त कर सकता है। आचार्य ने आत्मदेव और धुंधकारी प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि मनुष्य को अपने कर्मों का फल अवश्य भोगना पड़ता है। उन्होंने कहा कि धुंधकारी को अपने बुरे कर्मों के कारण प्रेतयोनि में भटकना पड़ा, लेकिन गौकर्ण जी द्वारा सात दिनों तक श्रीमद्भागवत कथा श्रवण कराने से उसे मुक्ति प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य के जन्म-जन्मांतर के पुण्य उदय होते हैं, तभी उसे श्रीमद्भागवत कथा सुनने का सौभाग्य प्राप्त होता है। कथा आयोजन 7 मई से 14 मई 2026 तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंच रहे हैं। कथा के दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने भाव-विभोर होकर कथा का रसपान किया। आयोजकों ने समस्त भक्तजनों से कथा में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सहयोग करने और धर्म लाभ लेने की अपील की।

विद्यालयों में पहुंचे उप जिला जनगणना अधिकारी

विद्यार्थियों को बताया डिजिटल स्वगणना का महत्व

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। आगामी जनगणना में आमजन की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा डिजिटल स्वगणना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिलेभर में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में उप जिला जनगणना अधिकारी राजेश कुमार ने सैंपऊ क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों का दौरा कर छात्र-छात्राओं को स्वगणना प्रक्रिया के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना केवल सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश के विकास की मजबूत आधारशिला है। सही और समय पर उपलब्ध जनसंख्या आंकड़े सरकार को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क, बिजली और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की बेहतर रूपरेखा तैयार करने में सहायता प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी डिजिटल स्वगणना के लिए प्रेरित करें। उन्होंने स्वगणना की पूरी प्रक्रिया को सरल तरीके से समझाते हुए बताया कि नागरिकों को आधिकारिक जनगणना पोर्टल पर पंजीकरण कर आवश्यक जानकारी ऑनलाइन दर्ज करनी होगी। इससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तेज और सुविधाजनक बनेगी। साथ ही डिजिटल माध्यम से समय और संसाधनों की भी बचत होगी।

विद्यालयों मे विद्यार्थियों ने भी जनगणना से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका उप जिला जनगणना अधिकारी ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। कार्यक्रम में शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को जनगणना के महत्व और नागरिक जिम्मेदारी के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि विद्यालयों में इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य नई पीढ़ी को जनहित से जुड़े अभियानों में सहभागी बनाना है, ताकि वे समाज में जागरूकता के प्रभावी माध्यम बन सकें।

सचिव रेखा यादव ने बाल संप्रेषण व शिशु गृह का किया निरीक्षण, व्यवस्थाएं सुधारने के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर की सदस्य सचिव एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जिला व सेशन न्यायाधीश संजीव मागो के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अपर जिला व सेशन न्यायाधीश रेखा यादव ने गुरुवार को राजकीय बाल संप्रेषण एवं शिशु गृह का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान संस्थान में कुल 11 बच्चे उपस्थित मिले, जिनमें 5 विधि से संघर्षरत, 5 देखरेख एवं संरक्षण श्रेणी के बालक तथा 2 शिशु शामिल थे। सचिव ने भवन की स्थिति, साफ-सफाई, आधारभूत सुविधाओं और रखरखाव व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। रेखा यादव ने बच्चों के लिए उपलब्ध आवासीय व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता, सुरक्षा प्रबंध, चिकित्सा सुविधा, शिक्षा, परामर्श सेवाओं एवं कौशल विकास गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों से व्यक्तिगत संवाद कर उनकी समस्याएं और आवश्यकताएं सुनीं तथा उनके प्रकरणों और पढ़ाई की जानकारी भी ली। सचिव ने बच्चों को अनुशासित जीवन अपनाने, नशे व गलत संगति से दूर रहने और शिक्षा व कौशल विकास पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच, परिश्रम और सही मार्गदर्शन से ही जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। निरीक्षण के दौरान शिशु गृह में मौजूद दो शिशुओं की स्वास्थ्य स्थिति और देखभाल व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली गई। सचिव ने अधीक्षक से बच्चों के इलाज और आगे की प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस दौरान बिजली आपूर्ति बाधित मिलने पर रेखा यादव ने संस्थान में इनवर्टर व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के समय प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट नीतू, संप्रेषण गृह अधीक्षक मुरारीलाल मीणा, कनिष्ठ सहायक संजय, स्टेनो राहुल डंडोतिया सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

बंगाल विजय के बाद राजस्थान लौटे भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा का भव्य स्वागत

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत के बाद बंगाल प्रवास से राजस्थान लौटे भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा का करौली से धौलपुर तक विभिन्न स्थानों पर जोरदार स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उनके आगमन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। राजस्थान पहुंचने पर करौली, बड़ागांव, सरमथुरा, बाड़ी एवं धौलपुर सहित कई स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं, साफा पहनाकर और जयघोषों के साथ उनका अभिनंदन किया। इस दौरान 'भारत माता की जय' और 'भाजपा जिंदाबाद' के नारों से पूरा माहौल गूंज उठा। स्वागत कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, युवा कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। कई जगह स्वागत यात्राएं एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किए गए, जहां समर्थकों ने मिठाई बांटकर पश्चिम बंगाल में मिली सफलता पर खुशी जाहिर की। इस अवसर पर मोतीलाल मीणा ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने विकास, राष्ट्रवाद और सुशासन की राजनीति पर विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की यह जीत केवल राजनीतिक सफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और जनता के विश्वास की विजय है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत, संगठन की मजबूती और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनता का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। बंगाल में भाजपा के पक्ष में बना माहौल यह दर्शाता है कि देश की जनता विकास और जनकल्याण की राजनीति चाहती है। उन्होंने राजस्थान के कार्यकर्ताओं से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता हमेशा राष्ट्रहित और जनसेवा के लिए समर्पित भाव से कार्य करते रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह का माहौल देखने को मिला तथा समर्थकों ने श्री मीणा के नेतृत्व एवं संगठनात्मक कार्यशैली की सराहना की। स्वागत कार्यक्रम में कमल पहाड़िया, कमलजीत सिंह, मुकेश सक्सेना, रामकिशोर शर्मा, नंदकिशोर शुक्ला, शशि त्यागी, रामप्रसाद बघेल, के.के. शर्मा, दिनेश बघेल, रामू सिकरवार, दयाकांत सक्सेना, राधेश्याम शर्मा, जितेंद्र शर्मा, राजकुमार त्यागी, दिनेश कुशवाहा, रितेश मित्तल, जसवंत कोली, हिमांशु गोयल सहित अनेक सामाजिक प्रतिनिधि मौजूद रहे।

धौलपुर पुलिस की अनोखी पहल: 'नो हेलमेट, नो पेट्रोल' अभियान शुरू, बिना हेलमेट नहीं मिलेगा पेट्रोल

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से धौलपुर पुलिस की ओर से अभिनव पहल करते हुए 'नो हेलमेट, नो पेट्रोल' अभियान शुरू किया गया है। पुलिस अधीक्षक धौलपुर के निर्देशानुसार जिले में 4 मई से 31 मई 2026 तक 'जीवन रक्षा, सड़क सुरक्षा' यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत गुरुवार को थाना बाड़ी पुलिस एवं यातायात शाखा की ओर से बसेड़ी रोड स्थित श्रीराम हर्षण पेट्रोल पंप पर विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल नहीं दिया गया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने वाहन चालकों को हेलमेट पहनने और यातायात नियमों की पालना करने के लिए जागरूक किया। पुलिस की ओर से पेट्रोल पंप परिसर में पंपलेट्स, पोस्टर्स और होर्डिंग्स के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति संदेश दिया गया। साथ ही पेट्रोल पंप संचालकों, कर्मचारियों और सेल्समैनों को निर्देशित किया गया कि बिना हेलमेट आने वाले दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल उपलब्ध नहीं कराया जाए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों में हेलमेट पहनने की आदत विकसित करना और सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को रोकना है। अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि हेलमेट केवल कानूनी अनिवार्यता ही नहीं, बल्कि जीवन रक्षा के लिए बेहद जरूरी है। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई भी की गई। खबर लिखे जाने तक करीब एक दर्जन बिना हेलमेट वाहन चालकों के मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान काटे गए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि 'जीवन रक्षा, सड़क सुरक्षा' अभियान आगामी दिनों में भी लगातार जारी रहेगा।

मोहब्बतपुरा गौशाला में पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत का जन्मदिवस मनाया

जयपुर टाइम्स

सांगानेर(निस)। कस्बे के निकटवर्ती मोहब्बतपुरा स्थित श्री गुरु गोविंद गौशाला में गुरुवार को पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत का जन्मदिवस एक दिवसीय पशु चिकित्सा व बांझपन निवारण शिविर आयोजित कर मनाया गया। शिविर का आयोजन पशुपालन विभाग के निर्देशन में किया गया। शिविर प्रभारी अधिकारी डॉ. पाबूराम बिश्नोई ने बताया कि पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत के जन्मदिवस के अवसर पर निदेशक पशुपालन विभाग व संयुक्त निदेशक जयपुर के निर्देशानुसार यह विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 50 पशुओं के लिए बांझपन निवारण किट वितरित की गईं, 120 पशुओं का खुरपका-मुँहपका रोग से बचाव के लिए टीकाकरण किया गया तथा 70 पशुओं को डिवार्मिंग की दवा पिलाई गई। डॉ. बिश्नोई ने कहा कि मंत्री के जन्मदिवस को पूरे प्रदेश में पशु चिकित्सा शिविरों के माध्यम से मनाने की पहल अत्यंत सराहनीय है। इससे प्रदेशभर में गौसेवा व गौ चिकित्सा के प्रति सकारात्मक संदेश जाएगा तथा आमजन और सामाजिक संगठनों को भी अपने विशेष अवसरों पर इस प्रकार के सेवा कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। श्री गुरु गोविंद गौशाला समिति मोहब्बतपुरा के अध्यक्ष रामावतार प्रजापत ने कहा कि मंत्री महोदय द्वारा जन्मदिवस को सेवा कार्यों से जोड़ना अनुकरणीय पहल है। इससे गौशाला में एक ही दिन में गौमाताओं को विभिन्न चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध हो सकीं। शिविर के दौरान पशुधन निरीक्षक सहसकरण दारोगा, रामपाल वर्मा,अनुषा टेलर एवं कमलेश चौधरी ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव की पहल, 1304 बालिकाओं को मिला सुरक्षा कवच

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। जिले में बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत अब तक जिले में 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की 1304 बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाकर सुरक्षा कवच प्रदान किया जा चुका है। मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भैराराम जाणी ने बताया कि जिलेभर के विद्यालयों में जागरूकता अभियान व जिले के समस्त उपजिला अस्पताल सामुदायिक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर नियमित रूप से टीकाकरण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही विभागीय कार्मिकों की ओर से बालिकाओं व उनके अभिभावकों को एचपीवी वैक्सीन के महत्व, उपयोगिता एवं सर्वाइकल कैंसर से बचाव के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। जिला प्रजनन व शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार बाजिया ने बताया कि एचपीवी टीका सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए सुरक्षित, प्रभावी व लाभकारी है। उन्होंने जिले की सभी पात्र 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं व उनके अभिभावकों से अपील की कि वे जागरूक रहकर समय पर टीकाकरण अवश्य करवाएं, ताकि बालिकाओं का भविष्य स्वस्थ व सुरक्षित बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि टीकाकरण के दौरान बालिका का आधार कार्ड साथ लाना आवश्यक है। लाभार्थियों का पंजीकरण यू-विन पोर्टल पर किया जा रहा है तथा ओटीपी सत्यापन के उपरांत ही टीका लगाया जा रहा है। विभाग ने आमजन से अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील करते हुए इसे बालिकाओं के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

पाटन पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

पाटन/नीमकाथाना(निस)। पाटन थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक देशी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि पाटन बाईपास पर एक युवक संदिग्ध अवस्था में खड़ा है और उसके पास हथियार हो सकता है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर युवक भागने लगा, लेकिन जवानों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शेरसिंह उर्फ शेरा पुत्र प्रेमसिंह गुर्जर निवासी ढाणी भड़ाणा की तलाई, हेमराजपुरा थाना पाटन जिला सीकर बताया। तलाशी के दौरान उसकी पेंट की जेब से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी से हथियार के लाइसेंस के संबंध में पूछताछ की, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। इस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले भी विभिन्न थानों में मामले दर्ज हैं। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है और हथियार के स्रोत के बारे में जांच जारी है।

संकल्प पिकल बॉल एरिना का भव्य शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। पंचायत समिति के पास संकल्प पिकल बॉल एरिना का भव्य शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रीगणेश पूजन से हुआ। पूर्व पार्षद मंजु गहलोत और पूर्व लेखाधिकारी बाबूलाल गहलोत ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस मौके पर सैन समाज के प्रदेशाध्यक्ष हरिप्रसाद हर्षवाल, कांग्रेस नेता रमेशचंद्र इंदौरिया, पूर्व पालिकाध्यक्ष संतोष बाबू इंदौरिया, लीटू कल्पनाकांत, रघुनंदन धरेंद्र, चंद्रप्रकाश कोका, प्रदीप शर्मा, डॉ. संतोष आर्य, डॉ सुखवीर सिंह कस्वां, सोनिया कस्वां, अमिता धायल, नूपुर राठौड़, डॉ सुनील तमोली, विक्रमसिंह चौहान, नीतू सिंह शेखावत, करणसिंह राठौड़, सुरेंद्र सिंह, सुशील इंदौरिया, सत्यनारायण हर्षवाल, परमेश्वरलाल रक्षक, अनूप जोशी, संजय पूनिया चूरू, गोविंद बबेरवाल, स्वरूपसिंह सेहला, एमडी स्वामी, विनोद सोनी, गिरधारी स्वामी, राहुल यादव, ओमप्रकाश चौहान, राहुल व्यास, द्वारकाप्रसाद शर्मा, अशोक गौड़, कुतुबुद्दीन पठान, नरोत्तमलाल सोनी, मनीराम पंवार, प्रभु दयाल राजपुरोहित, शुभकरण नैण, मोहन सिंह राठौड़, मनोज चारण, दिनेश भाटी सहित सैकड़ों लोग और खेलप्रेमी उपस्थित रहे। पार्षद राजेश गहलोत, रामनिवास गहलोत, श्याम सुंदर गहलोत, सीमा गहलोत, दीक्षा शर्मा, सनी चायल और आकांक्षा गहलोत ने अतिथियों का स्वागत किया। निदेशक संकल्प गहलोत ने बताया कि इससे रतनगढ़ में खेलों के प्रति जागरूकता का संचार होगा। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक राकेश गहलोत ने किया।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत के जन्मदिवस पर निःशुल्क पशु चिकित्सा व बांझ निवारण शिविर

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कैबिनेट मंत्री पशुपालन विभाग मंत्री जोराराम कुमावत के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में श्री राजलदेसर गौशाला एवं श्री नाथ नगर गौशाला में निःशुल्क पशु चिकित्सा व बांझ निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में काफी संख्या में गौवंश के स्वास्थ्य का परीक्षण व उपचार का किया गया। शिविर में वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तमोली के नेतृत्व में पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. विकास कुमार, डॉ. मुकनी कुमारी, पशु चिकित्सा सहायक पूनम कुमारी एवं सोमवीर ने गौवंश का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क उपचार प्रदान किया। इस दौरान बांझ निवारण संबंधी विशेष जांच व परामर्श भी दिया गया। कार्यक्रम के दौरान 90 गौवंश (बछड़ियों) का बांझ निवारण उपचार के लिए चयन किया गया। वहीं 665 गौवंश को कृत्रविनाशक दवाई पिलाई गई तथा 200 गौवंश का खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव के लिए टीकाकरण किया गया। शिविर के आयोजन से गौशाला संचालकों ने पशुधन संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल बताते हुए आयोजन की प्रशंसा की।

तहसील मुख्यालय पर बाबा साहेब की मूर्ति लगाने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय डॉ भीमराव अंबेडकर सेवा समिति ने बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्ति तहसील मुख्यालय पर लगाए जाने की मांग की है। उपखंड अधिकारी के नाम नायब तहसीलदार असलम खान को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया है कि आजादी के बाद से ही सर्व समाज के नागरिकों व नगर परिषद सुजानगढ़ की बोर्ड की मीटिंग में पक्ष-विपक्ष के तमाम सदस्यों सहित सांसद, विधायक, सभापति सहित नेता प्रतिपक्ष की मौजूदगी में और डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सेवा समिति द्वारा भी पिछले करीब एक दशक से समय समय पर ये मांग उठती रही है। ज्ञापन सौंपते वक्त सुरजाराम डाबरिया, अनिल सुवासिया, दीपाराम सांडेला, किशनलाल कटारिया, एडवोकेट रामकुमार मेघवाल, पूनम चन्द मेघवाल, एडवोकेट तिलोकचंद मेघवाल सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

विधिक जागरूकता अभियान के तहत विद्यालयों में विद्यार्थियों को किया जागरूक

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चूरू व तालुका अध्यक्ष डॉ नरेंद्र सिंह राठौड़ के निर्देशन में सरदारशहर तालुका स्तर पर अभियान के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत निम्न स्थानों पर पीएलवी की ओर से जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। पीएलवी मंजू बारूपाल की ओर से कृष्णा शिक्षण संस्थान उच्च माध्यमिक विद्यालय रामसीसर भेड़वालिया में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 110 विद्यार्थी लाभान्वित हुए। पीएलवी नेहा चौहान की ओर से शिवाजी बाल शिक्षा निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय बुकनसर बास वार्ड 24 में शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 260 विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। पीएलवी रोशनी गुगड़ व अध्यापक राजकुमार स्वामी की ओर से मीरा निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय गांधी विद्या मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 200 विद्यार्थी लाभान्वित हुए। पीएलवी रजत शर्मा की ओर से राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जयसंगसर में शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 55 विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। पीएलवी निर्मला की ओर से श्री राम पब्लिक माध्यमिक विद्यालय पुलासर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 150 विद्यार्थी लाभान्वित हुए। पीएलवी भारदा की ओर से राजकीय कन्या बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय रातुसर में शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 60 लाभार्थियों ने भाग लिया।अभियान के अंतर्गत बाल अधिकारिता व बालपन का कानूनी संरक्षण विषय के साथ ही जागृति स्कीम 2025 के तहत सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भविष्य विषय पर विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। कार्यक्रमों के दौरान बाल विवाह मुक्त भारत अभियान पर विशेष चर्चा करते हुए बाल विवाह, घरेलू हिंसा व दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई तथा बालिका शिक्षा के महत्व को समझाया गया। विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से दूर रहकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही कुछ विद्यालयों में साइबर अपराध एवं उससे बचाव के उपायों पर भी प्रकाश डाला गया। जिसमें विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के तरीके बताए गए। कार्यक्रम के दौरान चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं नालसा हेल्पलाइन 15100, 9828900900 की जानकारी भी प्रदान की गई। इन सभी कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 835 लाभार्थियों को विधिक जानकारी प्रदान की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना व उन्हें एक सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करना है।

कृषि मंत्री के जन्मदिन पर चलाया पशुओं में टीकाकरण अभियान

गौशाला में पशुओं की जांच कर किया उपचार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। कृषि मंत्री व पशुपालन विभाग जोराराम कुमावत के जन्मदिन पर प्रदेश की गौशालाओं में गौवंश में बांझ निवारण और टीकाकरण और चिकित्सा शिविर का आयोजन कार्यक्रम के तहत गांधी विद्या मंदिर गौशाला में पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ प्रवीण शर्मा के नेतृत्व में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ शर्मा की ओर से 45 पशुओं का जांच कर बांझपन निवारण की चिकित्सा की और 36 अन्य पशुओं की चिकित्सा सहित कुल 81 गौवंश का उपचार किया गया। साथ ही 240 गौवंश में लंगड़ा बुखार और गलघोंटू रोग से बचाव हेतु टीकाकरण किया गया। शिविर में डॉ ख्यालीराम सांडेला ने पशुओं की जांच की और पशुधन निरीक्षक राकेश कुमार स्वामी, अजय कस्वां, मनोज कुमार नेहरा, निखिलेश बीका, दिनेश तालनिया, पशु परिचर महेंद्र कुमार, लक्ष्मीनारायण भोजक ने सेवाएं देकर सहयोग किया।

मंत्री कुमावत के जन्मदिन पर गांव में लगाया कैंप

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। पशु चिकित्सक संघ के आह्वान पर जिला चूरू के तत्वाधान में पशुपालन विभाग की ओर से पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत के जन्म दिन को गौसेवा संकल्प दिवस के रूप में एक दिवसीय निःशुल्क पशु चिकित्सा उपचार व बांझपन निवारण शिविर का आयोजन आयोजन कर मनाया गया। गोपाल कृष्ण गौशाला मलसीसर चूरू में डॉ.भंवर सिंह सेवदा के निर्देशन में आयोजित कैंप का मुख्य उद्देश्य बांझ गोवंश का उपचार कर प्रजनन योग्य बनाना रहा। डॉ सेवदा ने बताया कि 150 से अधिक गोवंश को पेट के कीड़े की दवाई दी गई और बीमार पड़े पशुओं का इलाज किया। साथ ही एफ एम डी टीकाकरण किया गया और जू चिचड़ा की दवा का वितरण किया गया। डॉ सेवदा ने गर्मियों के मद्देनजर गोवंश को धूप से बचाने के लिए छांव और पानी की विशेष व्यवस्था करने को कहा गया। इस कैंप में गौशाला अध्यक्ष सुभाष शर्मा, कल्याण सिंह, गोपाल चंद कुमावत, रामलाल कुमावत, भागीरथ सोनी, लालाराम बिस्सू, दानाराम दहिया, पर्वत सिंह चौहान, राकेश कुमार मेघवाल, विक्रम खिलेरी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

निजी स्कूल के खिलाफ धरना जारी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय पंचायत समिति परिसर में स्थित सीबीईओ कार्यालय के बाहर अभिभावक बाबूलाल मेघवाल का धरना लगातार 11 वे दिन गुरुवार को भी जारी रहा। बाबूलाल मेघवाल ने बताया कि मोदी पब्लिक स्कूल के मैनेजमेंट की ओर से आर टी ई के अभ्यर्थियों से किताबों के नाम पर अवैध वसूली की गई। जिसके खिलाफ धरना दिया जा रहा है। धरने पर कामरेड जगदीश नाथ, मनोज खटीक, राजेंद्र आदि लोग मौजूद रहे।

ब्रह्म बगीची मन्दिर में चार दिवारी तोड़ने पर कार्यवाही की मांग

मण्डावा (निस)। कस्बे वार्ड 2 स्थित ब्रह्म बगीची मन्दिर की चार दिवारी तोड़ने पर कार्यवाही करने की मांग को लेकर गुरूवार शाम को वार्डवासियों ने एड्वोकेट राजकुमार सैनी की अगुवाई में मण्डावा थानाप्रभारी रामनारायण चौयल को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में निवेदन किया कि गुरूवार को सुबह करीब साढ़े दस बजे कुछ भू माफिया लोग इकट्ठा होकर बगीची मन्दिर में घुसकर, मन्दिर की करीब 25 फीट दिवार को पिला पंजा जेसीबी मशीन चलाकर तोड़दिया है। जेसीबी चालक रामजी लाल, सुशील व उसके साथ चार पांच अन्य बदमाश आदि मन्दिर की दिवार को तोड़ा है। मोहल्ले के लोगों को जान से मारने की धमकी दी है।

कार्यालयः- सदस्य सचिव, राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, राजकीय डी.बी. सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, चूरू

Email-, msdbhchuru@gmail.com Phone: -01562-250333

क्रमांकः- लेखा/निविदा/2026/370 दिनांकः- 4.5.26

-: ई-निविदा / निविदा आमंत्रण सूचना :-

इस चिकित्सालय को निम्न विवरणानुसार से सामग्री क्रय / वार्षिक दर संविदा / अनुबन्ध किये जाने हेतु इच्छुक निविदादाताओं यथा - विर्निमाताओं/ अधिकृत फर्मों/डीलरों / बोनाफाइड डीलर्स आदि से दरें आमंत्रित की जाती है। बोली संबंधी विस्तृत विवरण एवं शर्ते वैवसाईट sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र.सं.	निविदा सामग्री का विवरण	अनुमानित राशि	प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	UBN No.
1	सिस्टोस्कॉप के कंज्युमेबल आईट एवं दैनिक उपयोग हेतु सामग्री / उपकरण क्रय हेतु	10.25 लाख	15-05-2026	MHS2526GLRC00644

DIPR/C/7940/2026

(सदस्य सचिव RMRS)
राजकीय डी.बी.सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, चूरू

Office of Executive Engineer WDSC, Sardarsahar (Churu)

S.No.- 110 Date 04.05.2026

NOTICE INVITING BID
E-NIT No 02/2026-27

Bids for Watershed development works Churu of estimated value 15.97 are invited from interested bidders up to 05.05.2026, 10:00 AM to 14.05.2026, 17:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http:// sppp. rajasthan. gov.in_Or http:// eproc. rajasthan. gov.in) of the state/ departmental website.

NIB Ref. No. ENIT_02_2026_27_EXEN_SARDARSAHAR

NIB Code - WSC2627A0173
UBN - WSC2627WSOB00292

DIPR/C/7944/2026

Executive Engineer
WDSC Sardarsahar

खुले नाले में गिरा सांड, लोगों ने बाहर निकाला

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय वार्ड नंबर 18 में नाले में सांड गिर गया। मोहल्लेवासियों ने एकजुट होकर गौवंश को सुरक्षित निकाला। मोहलेवासियो के अनुसार, गौवंश अचानक असंतुलित होकर नाले में गिर गया था। नाला गहरा होने के कारण सांड खुद बाहर निकलने में पूरी तरह असमर्थ था और लगातार छटपटा रहा था। गौवंश, के गिरने की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग तुरंत मौके पर जमा हो गए। भारी मशक्कत के बाद स्थानीय लोगो विक्रम सिंह चोबदार, पिंकी सैनी, कमल बागड़ी, केशव, नीतीश आदि ने बाहर निकाला।

योग दिवस की पूर्व तैयारियां शुरू

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय राजकीय भिंवसरिया बालिका विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के तहत प्रधानाध्यापिका शीतल मिश्रा के मार्गदर्शन में योगाचार्य कुलदीप सैन योगाचार्य सुमित्रा जोगी की ओर से विद्यालय के बच्चों को योगाभ्यास करवाया गया। इस दौरान बच्चों को अनेक आसान करवाए गए। इस दौरान विद्यालय स्टाफ मीनाक्षी शर्मा, सुधा जांगिड़, सरिता फुलवारिया, गणपति प्रजापत, अनीता, रेखा सुमित्रा चौधरी का सहयोग रहा।

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT RAIPUR PATAN P.S. PATAN (SIKAR)

S.NO. 2026 27/25 DATE : 07/05/2026

Notice Inviting Bid

Bid for Rate contract works undar Other Scheme are invited from intersted bidders upto Date 19.05.2026, 11:00 AM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http:// sppp. raj.nic.in&http://eproc.raj.nic.in) of the state. The approximate value of work is maximum RS : 1500000/-

UBN No.PKP2627WSOB00036-37

PRASHASHAK
G.P. RAIPUR PATAN

VDO
G.P. RAIPUR PATAN

कार्यालय ग्राम पंचायत- श्यामपुरा, पं. स. पाटन (सीकर)

क्रमांक :-2026-27/22 दिनांक :- 07/05/2026

निविदा सूचना संख्या : 02-03 / 2025-26

इस कार्यालय द्वारा नियम 181 अंतर्गत खुली निविदाए आमंत्रित की जा रही है, जिनका विवरण निम्नानुसार है

क्र.सं.	कार्य का विवरण (UBN)	अनुमानित लागत	अमानता राशी	निविदा शुल्क	निविदा प्रपत्र बेचने की प्रारम्भ तिथि व समय	निविदा प्रपत्र बेचने अंतिम तिथि व समय	निविदा प्रपत्र जमा करने की अन्तिम तिथि व समय	निविदा खोलने की तिथि व समय
1	ग्राम पंचायत के समस्त गावों में घर- घर से कचरा संग्रहण एवं प्रथक्करण सड़क एवं नाली सफाई तथा सामुदायिक स्वछता परिसर की साफ सफाई कार्य (PKP2627WSRC00038)	1273170	12732/-	500/-	07-05-2026 10:00 AM	18-05-2026 01:00 PM	18-05-2026 03:00 PM	19-05-2026 02:00 PM
2	अधूरी चार दिवारी निर्माण कार्य रा.उ.मा.वि.श्यामपुरा खेल मैदान (PKP2627WSOB00039)	500000/-	10000/-	500/-	12-05-2026 10:00 AM	18-05-2026 01:00 PM	18-05-2026 03:00 PM	19-05-2026 02:00 PM
3	शौचालय निर्माण कार्य रा.प्रा.वि. कोलीवाला (PKP2627WSOB00040)	200000/-	4000/-	500/-	12-05-2026 10:00 AM	18-05-2026 01:00 PM	18-05-2026 03:00 PM	19-05-2026 02:00 PM

उक्त निविदा प्रपत्र को किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय के दोरान देखा जा सकता है अथवा http//sppp.rajasthan.gov.in पर तथा क्र. सं. 1 की निविदा को http//eproc.rajasthan.gov.in पर भी देखा जा सकता है ।

प्रशासक
ग्राम पंचायत- श्यामपुरा,
पं. स. पाटन (सीकर)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत- श्यामपुरा,
पं. स. पाटन (सीकर)

किसानों के लिए राहतभरी खबर, तारबंदी-फॉर्म पोंड सहित कृषि योजनाओं के आवेदन शुरू

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राजस्थान सरकार की ओर से किसानों को आधुनिक कृषि संसाधनों से जोड़ने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं के आवेदन शुरू कर दिए गए हैं। इनमें तारबंदी योजना, फॉर्म पोंड, सिंचाई पाइपलाइन एवं गोवर्धन उर्वरक योजना प्रमुख हैं। कृषि विभाग ने किसानों से इन योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की है। सहायक कृषि अधिकारी जाटोली अतुल शर्मा ने बताया कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और खेती की लागत कम करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इन योजनाओं के माध्यम से किसानों को सिंचाई सुविधा मजबूत करने, खेतों की सुरक्षा तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक किसान अपने नजदीकी ई-मित्र केंद्र पर जाकर योजनाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं। विभागीय अधिकारियों द्वारा किसानों को योजनाओं की पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है। अतुल शर्मा ने बताया कि इसी माह मई में जयपुर में विशेष किसान मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ग्राम पंचायत स्तर के किसानों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। मेले में कृषि विशेषज्ञों की ओर से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत उपकरण, नई फसल पद्धतियों और खेती में नवाचारों की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने किसानों से समय रहते पंजीयन करवाने की अपील करते हुए कहा कि किसान मेले में भाग लेकर नई तकनीकों और सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ उठा सकते हैं। कृषि विभाग को उम्मीद है कि इन योजनाओं और आयोजनों से क्षेत्र में कृषि उत्पादन एवं किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

बालिका विद्यालय को राजनीति से बचाने की मांग, नागरिकों ने सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले के राजाखेड़ा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में लगातार हो रही शिकायतों और विवादों को लेकर गुरुवार को शहर के नागरिकों ने एसडीएम सुशीला मीणा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। नागरिकों ने विद्यालय को 'राजनीति का अखाड़ा' बनाए जाने पर नाराजगी जताते हुए माहौल खराब करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि विद्यालय में 29 में से 14 पद रिक्त हैं, बावजूद इसके प्राचार्य ममता गुप्ता द्वारा छात्राओं की सुरक्षा, अनुशासन और शिक्षा स्तर सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं। नागरिकों ने आरोप लगाया कि कुछ निजी विद्यालय संचालक और शिकायतकर्ता विद्यालय की छवि खराब कर सरकारी शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। वरिष्ठ नागरिक उत्तम दीक्षित, गिर्राज सिंह, डॉ. दिनेश सिंगोरिया, रूप सिंह सहित अन्य लोगों ने मांग की कि झूठी शिकायतें करने वालों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि विद्यालय में शांतिपूर्ण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था बनी रहे।

गौसेवा के रंग में रंगा मंत्री जोराराम कुमावत का 62वां जन्मदिन

गौमाता की पूजा-अर्चना कर मंत्री ने गुड़ व एक ट्रॉली हरा चारा किया समर्पित

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(कास)। कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत का 62वां जन्मोत्सव गुरुवार को सुमेरपुर स्थित श्रीराम गौशाला सेवा समिति में धार्मिक आस्था, गौसेवा और जनउत्साह के अभूतपूर्व माहौल में मनाया गया। पूरा गौशाला परिसर ढोल-नगाड़ों, जयघोष और 'जय गौ माता' के नारों से गूंज उठा। जन्मोत्सव को गौसेवा से जोड़ते हुए मंत्री कुमावत ने गौमाता की पूजा-अर्चना कर 101 किलो गुड़ का भोग लगाया तथा एक ट्रॉली हरा चारा समर्पित कर सेवा और संस्कार का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री के स्वागत में भव्य आयोजन किया गया। ढोल-नगाड़ों और जयकारों के बीच गौशाला सेवा समिति अध्यक्ष धीरज सांखला, उपाध्यक्ष चतुर्भुज शर्मा, मंत्री भंवरलाल परमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवलाल परिहार एवं चंपालाल कुमावत ने साफा और माल्यार्पण कर जोरदार अभिनंदन किया। इसके बाद केक काटकर मंत्री का जन्मोत्सव उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की आत्मा है। गौमाता की सेवा केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं और मानवीय मूल्यों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि श्रीराम गौशाला सेवा समिति समाज में सेवा, समर्पण और संस्कारों की मिसाल बन चुकी है। उन्होंने गौशाला परिवार की सेवाभावना की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। गौशाला अध्यक्ष धीरज सांखला ने कहा कि मंत्री जोराराम कुमावत सदैव गौसेवा और सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पित रहे हैं। उनके जन्मोत्सव पर गौमाता की पूजा और 101 किलो गुड़ का भोग पूरे क्षेत्र के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय बना है। उन्होंने कहा कि मंत्री के मार्गदर्शन और सहयोग से गौशाला निरंतर सेवा कार्यों में नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रही है। कार्यक्रम में नीलकंठ महादेव मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष भवानी सिंह राठौड़, किसान नेता जैनेंद्र सिंह, अनोप सिंह राठौड़, पूनम सिंह परमार, रविकांत रावल, पालिका उपाध्यक्ष एवं गौशाला सेवा समिति उपाध्यक्ष चतुर्भुज शर्मा, मंत्री भंवरलाल परमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवलाल परिहार, अमर सिंह कोलीवाडा, विनोद पारेख, भरत सिंह राजपुरोहित, रमणीक त्रिवेदी बामनेरा, रमेश राखेचा, गौशाला व्यवस्थापक पुखराज कुमावत, मोहन दास वैष्णव सहित बड़ी संख्या में गौभक्त व नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में गौशाला परिवार की ओर से मंत्री जोराराम कुमावत के स्वस्थ, दीर्घायु और सफल जीवन की कामना की गई। 'जय गौ माता-जय गोपाल' के जयघोष के साथ पूरा वातावरण भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना रहा।

अधिकारी नियमित रूप से कार्यालय स्तर पर करें जनसुनवाई:संभागीय आयुक्त

दूबरा व खेरली में जनसुनवाई, अधिकारियों को दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले में त्रिस्तरीय जनसुनवाई में आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का प्राथमिकता से निस्तारण कर अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक त्वरित राहत प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में संभागीय आयुक्त नलिनी कठौतिया ने गुरुवार को पंचायत समिति धौलपुर की ग्राम पंचायत दूबरा व पंचायत समिति राजाखेड़ा की ग्राम पंचायत खेरली में आयोजित जनसुनवाई में महिलाओं, बुजुर्गों की समस्याओं को सुनकर अधिकारियों को उनकी परिवेदनाओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने जनसुनवाई में आए लोगों की कई समस्याओं का संतोषजनक निस्तारण किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को त्वरित समाधान करते हुए आमजन को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपखण्ड स्तरीय अधिकारियों से कहा कि विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं और राज्य सरकार तथा प्रशासन की ओर से किए जा रहे जनसेवा कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुँचाने का सशक्त जरिया बनाएं। जिससे अधिक से अधिक पात्रजन तक इन योजनाओं का लाभ पहुँच सके और लोग समय पर उनका उपयोग कर सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित रूप से कार्यालय स्तर पर जनसुनवाई करें जिससे आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का निस्तारण प्राथमिकता से हो। जनसुनवाई के दौरान पेयजल, सड़क मरम्मत, सब-सेन्टर निर्माण, अनुदान के भुगतान, पशु चिकित्सालय केन्द्र बनवाने सहित अन्य प्रकरण प्राप्त हुए जिनका शीघ्र निस्तारण करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। जनसुनवाई दौरान समस्त ग्रामवासी दूबरा की ओर से पीने के पानी की टंकी निर्माण, सड़क मरम्मत करवाने, विद्यालय में अध्यापकों की ड्यूटी लगाने, चिकित्सा सुविधा के लिए नवीन सब-सेन्टर बनवाने, पशु चिकित्सा केन्द्र बनवाने, रामविलास व राजेन्द्र पुत्र रामचरण की ओर से तारबन्दी के अनुदान भुगतान करवाने, मुन्नी की ओर से अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने तथा ग्राम मुस्तफाबाद निवासी रामअवतार की ओर से पीने के पानी का कनेक्शन करवाने का परिवाद प्रस्तुत किया गया। जिस पर संभागीय आयुक्त ने तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कुल 22 परिवाद प्राप्त हुए। इस दौरान जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

नारणावास में जनसुनवाई: मौके पर निस्तारण

नया नारणावास से बागरा तक अधूरे डामर रोड को पूरा करने की मांग

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। ग्राम पंचायत नारणावास में मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से प्राप्त जन समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष समस्याओं को राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने नया नारणावास से बागरा तक अधूरे डामर रोड को पूर्ण कराने की मांग को लेकर तहसीलदार को आवेदन सौंपा, जिस पर तहसीलदार रणवीर सिंह ने मौके पर जाकर समस्या समाधान का भरोसा दिलाया।

ग्रामीणों ने जनसुनवाई में प्रमुख रूप से ये मांगें रखीं

नया नारणावास से पांचेटिया की ढाणी तक 3.5 किमी ग्रेवल मार्ग पर डामरीकरण, जल जीवन मिशन के तहत अधूरी पड़ी टंकी का कार्य पूर्ण करवाना, नारणावास में जलदाय विभाग का कर्मचारी लगाने , नारणावास से जागनाथ महादेव मंदिर तक 5 किमी जर्जर सड़क का नवीनीकरण करवाने, नारणावास पंचायत क्षेत्र में नया बांध बनवाना की ग्रामीणों ने मांग की। इस अवसर पर तहसीलदार रणवीर सिंह, सहायक विकास अधिकारी ताराम सुंदेशा, सहायक विकास अधिकारी नेमाराम सुथार, सरपंच जशोदा कंवर, आरआई ओमप्रकाश, सूचना प्रोग्रामर दिनेश कुमार, सहायक अभियंता जितेन्द्र श्रीमाली, नया नारणावास प्रधानाध्यापक रूप सिंह राठौड़, कनिष्ठ अभियंता फिरोज अख्तर, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अनिल शर्मा, उप सरपंच मनोहर सिंह, धवला, ग्राम विकास अधिकारी लच्छा राम प्रजापत, कनिष्ठ सहायक प्रेम प्रकाश गर्ग, लाइनमैन महेश कुमार, पटवारी नरेश कुमार, व्याख्याता राजेन्द्र सिंह, कृषि पर्यवेक्षक विशाल कुमावत, पशुधन सहायक विकास स्वामी, मिनी सहकारी बैंक के व्यवस्थापक मफतलाल, रामप्रसाद मीणा, पम्प चालक आबिद खां, कुईयाराम देवासी, हीर सिंह, शंकर सिंह, जेठू सिंह, राण सिंह, जबर सिंह, जेठा राम सरगरा, वार्ड पंच सुरेश गर्ग, श्रवण कुमार मेघवाल, भजन सिंह, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अंतर कंवर, फूलन, आशा मंजु देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

पत्रकार को धमकी देने के मामले में कार्रवाई की मांग

भारतीय पत्रकार सेवा संस्थान ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। कॉलोनी में नियमों को दरकिनार कर की जा रही खुदाई से संबंधित समाचार प्रकाशित करने पर पत्रकार को जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। गुरुवार को भारतीय पत्रकार सेवा संस्थान के पदाधिकारियों एवं पत्रकारों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। जानकारी के अनुसार टोरंटो पावर कंपनी की ओर से कॉलोनी क्षेत्र में कथित रूप से नियम-कायदों की अनदेखी कर खुदाई कार्य कराया जा रहा था। इस संबंध में पत्रकार अजय बिलोनिया की ओर से समाचार प्रकाशित किए जाने के बाद उन्हें फोन पर गाली-गलौज करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को गंभीरता से लेते हुए भारतीय पत्रकार सेवा संस्थान के सदस्यों ने पहले निहालगंज थाने में तहरीर देकर मामला दर्ज करवाया था। इसके बाद संगठन के जिला अध्यक्ष अनुराग मुदगल के नेतृत्व में पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और एसपी विकास सागवान को ज्ञापन सौंपकर आरोपी जितेंद्र परिहार एवं संबंधित टोरंटो पावर कंपनी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं और समाचार प्रकाशित करने पर किसी पत्रकार को धमकाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है। संगठन ने आरोपियों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई करते हुए पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक विकास सागवान ने पत्रकारों को आश्वस्त किया कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी तथा धमकी देने वाले व्यक्ति को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कूनो से निकला चीता KGP3 धौलपुर के सरमथुरा जंगलों में पहुंचा, वन विभाग अलर्ट मोड पर

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान से विचरण करते हुए निकला चीता KGP3 अब धौलपुर जिले के सरमथुरा क्षेत्र के जंगलों तक पहुंच गया है। चीते की मौजूदगी की पुष्टि होने के बाद वन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है और इलाके में लगातार निगरानी एवं गश्त की जा रही है। वन विभाग के अनुसार चीता कूनो नेशनल पार्क से निकलकर पहले करौली जिले के डांग क्षेत्र में पहुंचा था। इसके बाद मध्य प्रदेश सीमा से ओण क्षेत्र के रास्ते जंगलों में घूमते हुए वह सरमथुरा क्षेत्र तक आ गया। स्थानीय ग्रामीणों व वन विभाग की टीम की ओर से चीते की तस्वीरें कैमरे में कैद किए जाने के बाद विभाग ने तुरंत ट्रैकिंग अभियान शुरू कर दिया। डीएफओ चेतन कुमार ने बताया कि चीते की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जंगल क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान डीएफओ बी. चेतन कुमार, एसीएफ चेतराम मीणा तथा रेंजर देवेंद्र चौहान सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। वन विभाग ने आसपास के ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है। अधिकारियों ने लोगों से जंगल क्षेत्र में अनावश्यक आवाजाही नहीं करने, अकेले जंगल में नहीं जाने और चीते के नजदीक पहुंचने का प्रयास नहीं करने की अपील की है। विभाग का कहना है कि फिलहाल चीते की हर गतिविधि की मॉनिटरिंग की जा रही है तथा किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए लगातार गश्त बढ़ा दी गई है। चीते के धौलपुर क्षेत्र में पहुंचने की खबर से ग्रामीणों में उत्सुकता के साथ-साथ सतर्कता भी बढ़ गई है। वन विभाग ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत विभाग को देने की अपील की है।

ग्राम रथ अभियान से साधारण कृषक हरेन्द्र की जिंदगी में आए बदलाव

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले की विधानसभा क्षेत्र बाड़ी की ग्राम पंचायत कूंकरा में 'ग्राम रथ अभियान' ने एक साधारण कृषक की जिंदगी में असाधारण बदलाव की कहानी लिख दी। कूंकरा गांव के निवासी हरेन्द्र सिंह पुत्र बहादुर सिंह, जो पहले डीएपी व यूरिया का प्रयोग करके खेती और सीमित संसाधनों के साथ जीवन यापन कर रहे थे, आज आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुके हैं। जब ग्राम रथ अभियान कूंकरा पहुंचा, तो गांव लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। इसी दौरान आयोजित शिविर में हरेन्द्र भी पहुंचें। यहां उन्हें कृषि विभाग के अधिकारियों से वर्मी कंपोस्ट इकाई (जैविक खाद निर्माण) के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने जाना कि कैसे कम लागत में घर पर ही जैविक खाद तैयार कर खेती की लागत कम की जा सकती है और आय बढ़ाई जा सकती है। कृषक हरेन्द्र ने इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया और मौके पर ही उन्हें वर्मी कंपोस्ट इकाई स्वीकृत कर दी गई। यह उनके लिए एक नया अवसर था। सिर्फ खेती सुधारने का ही नहीं, बल्कि खुद की पहचान बनाने का भी। शुरुआत में उन्होंने छोटे स्तर पर जैविक खाद बनाना शुरू किया। घर और खेत में उपलब्ध गोबर, सूखे पत्ते और जैविक कचरे का उपयोग कर उन्होंने वर्मी कंपोस्ट तैयार किया। कुछ ही महीनों में इसका सकारात्मक असर उनकी खेती में दिखने लगा। आज कृषक हरेन्द्र न केवल अपनी खेती को जैविक दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं, बल्कि गांव के अन्य कृषकों के लिए प्रेरणा भी बन गए हैं। वे उन्हें भी वर्मी कंपोस्ट बनाने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करते हैं। कृषक हरेन्द्र गर्व से कहते हैं, 'पहले हम सिर्फ खेती करते थे, अब हम समझदारी से खेती कर रहे हैं। सरकार की इस योजना ने हमें आत्मनिर्भर बनने का रास्ता दिखाया है।' उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राम रथ अभियान जैसी पहल से गांव के कृषकों को आगे बढ़ने का नया अवसर मिला है।

एक बारिश ने खोल दी विकास की पोल, कीचड़ में तब्दील हुई वेरा रामपुरा की सड़कें

जयपुर टाइम्स

शिवगंज/सिरोही(निस)। महज एक दिन की बारिश ने वेरा रामपुरा गांव में विकास कार्यों की हकीकत उजागर कर दी। गांव की गलियां और सड़कें बारिश के बाद कीचड़, गड्ढों और जलभराव में तब्दील हो गईं। हालात इतने बदतर हैं कि ग्रामीणों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो गया है। जगह-जगह जमा गंदा पानी और टूटी सड़कें अब लोगों के लिए रोजाना की परेशानी के साथ हादसों का कारण भी बन रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायतीराज विभाग और स्थानीय पंचायत की अनदेखी के चलते गांव पिछले एक दशक से मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहा है। सड़क निर्माण और जल निकासी जैसी जरूरी समस्याओं को लेकर कई बार प्रशासन और पंचायत को अवगत कराया गया, लेकिन हर बार 'बजट नहीं आया' कहकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया गया। बारिश के बाद गांव की अधिकांश गलियां दलदल में बदल गई हैं। दोपहिया वाहन चालक फिसलने के डर से परेशान हैं, जबकि स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि मुख्य रास्तों पर बने गहरे गड्ढों में पानी भर जाने से हादसे का खतरा लगातार बना हुआ है। गांववासियों ने बताया कि पिछले पांच वर्षों से केवल बजट आने का इंतजार कराया जा रहा है, लेकिन धरातल पर विकास का एक भी बड़ा काम नजर नहीं आया। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से बारिश का पानी गलियों में भर जाता है और गंदगी फैलने से बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों में पंचायतीराज विभाग के प्रति भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि चुनावों के समय बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन बाद में गांव की समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जाता। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और जिला कलेक्टर सिरोही से मांग की है कि गांव का तत्काल सर्वे करवाकर पक्की सड़कें, नालियां और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था करवाई जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो गांववासी आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

सांगानेर(निस.)। पंचायत समिति सांगानेर क्षेत्र के निकटवर्ती ग्राम अजयराजपुरा स्थित श्री राधा कृष्ण धाम नृसिंह कुटी मंदिर में गुरुवार को श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। सुबह करीब 7:15 बजे निकाली गई इस कलश यात्रा में 151 माताओं व बहनों ने सिर पर कलश धारण कर भाग लिया। हरि-भजन, जयघोष और भक्तिमय वातावरण से पूरा गांव गूंज उठा। कलश यात्रा गांव के कोटड़ी वाले बालाजी महाराज मंदिर से रवाना होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई कथा स्थल श्री राधा कृष्ण धाम नृसिंह कुटी मंदिर पहुंची, जहां विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कथा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यात्रा में आकर्षक डीजे व धार्मिक झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं। इस अवसर पर श्री महंत वृंदावन महाराज भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके सान्निध्य से श्रद्धालुओं में उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। स्थानीय निवासी ओमप्रकाश प्रजापत ने बताया कि गोलोकवासी श्री श्री 1008 महंत श्रीगोविन्द दास महाराज के 34वें स्मृति महोत्सव के उपलक्ष्य में गांव के समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से 7 मई से 14 मई तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा का वाचन महंत वृंदावन महाराज की ओर से प्रतिदिन सुबह 10:15 बजे से सायं 5 बजे तक किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन 14 मई को विशाल भंडारे के साथ होगा।

कांग्रेस नेताओं ने नहीं लगने दी सुजानगढ़ में बाबा साहेब की मूर्ति : कुलदीप

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय नगर परिषद के बाहर चल रहे कांग्रेस के धरने को लेकर बीजेपी एस सी मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता बाबूलाल कुलदीप ने तंज कसते हुए कांग्रेस को जन विरोधी बताया है। प्रदेश प्रवक्ता बाबूलाल कुलदीप ने कहा कि अभी फरवरी में ही कांग्रेस की सभापति का कार्यकाल पूरा हुआ है, तो उन्होंने सारे टेंडर समय पर क्यों नहीं जारी किए? लेकिन अब जब चुनाव होने हैं, तो धरना प्रदर्शन के बहाने कांग्रेस जनता को मूर्ख बनाने का काम कर रही है। कुलदीप ने कहा कि ट्रैक्टर्स का टेंडर हथियाने के लिए महापुरुषों की मूर्तियां लगाने की मांग करने की आड़ ली जा रही है। लेकिन जनता बेवकूफ नहीं बनेगी। कुलदीप ने बताया कि मामले को लेकर कद्दावर नेता राजेंद्र राठौड़ से मिलकर उन्हें वस्तु स्थिति से अवगत करवाया गया है। बाबूलाल कुलदीप ने कहा कि ग्रीन स्पेस पार्क में बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की मूर्ति लगने वाली थी

OFFICE OF THE COMPTROLLER
Rajasthan University of Veterinary and Animal Science (Jobner)

NOTICE INVITING E-BID 01/2026-27
Supply Dry Fodder straw to the animals on various livestock farms of the University

Open competitive online e-bids are invited on behalf of the Comptroller, Rajasthan University of Veterinary and Animal Sciences (Jobner), Jaipur for the supply of various types of Dry fodder for livestock at its various livestock farms from eligible crop-harvesting farmers/ Wholesalers /Distributors /Suppliers on Rate contract basis, for the period up to 31 March 2027. The estimated cost of the tender is Rs. 98.00 lakh.

The detail of Bidding Document may be seen and downloaded from the website of State Public Procurement Portal, **http://sppp.rajasthan.gov.in** or e-procurement portal **http://eproc.rajasthan.gov.in** or university website - **http://ruvasjaipur.rajasthan.gov.in. UBN : RVJ2627GLRC00003**

Raj.Samwad/C/26/2247

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
08 मई, 2026

कांग्रेस नेताओं का धरना चौथे दिन भी जारी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(निस)। नगर परिषद के बाहर विभिन्न मांगों को लेकर कांग्रेस नेताओं का अनिश्चितकालीन धरना गुरुवार को चौथे दिन भी जारी रहा। धरने पर बैठे नेताओं ने प्रशासन से मांगों का शीघ्र समाधान करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरने के दौरान नेहरू पार्क में महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित करने तथा ट्रैक्टरों के टेंडर जारी करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि लंबे समय से मांगें लंबित होने के बावजूद नगर परिषद प्रशासन गंभीरता नहीं दिखा रहा है। धरने पर अजय ढेनवाल, सुनील सियोता, पवन लाखन, विष्णु शर्मा, बुधराज बारवासा, मुकेश जावा, राजेश, शशिकांत तेजस्वी, मुकेश गोयल, हंसराज सियोता एवं ओंकार मल मेघवाल मौजूद रहे। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप तोदी, राजकुमार इंदौरिया, लालचंद बेदी, बिलाल भुरान, इकबाल खान, नेमीचंद रैगर, तिलोक मेघवाल, सुरजाराम डाबरिया व दीपाराम सांडेला सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घुमंतू महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल, 15 लाख महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की तैयारी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राज्य सरकार के राजीविका मिशन के तहत घुमंतू जाति की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर स्वरोजगार उपलब्ध कराने की पहल शुरू की गई है। इस अभियान के माध्यम से प्रदेश की करीब 15 लाख महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। जयसिंहपुरा दिल्ली रोड स्थित घुमंतू जाति बस्ती में आयोजित संवाद कार्यक्रम में यह जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन घुमंतू जाति उत्थान न्यास की ओर से किया गया। कार्यक्रम संयोजक सर्वेश्वर शर्मा ने बताया कि महिलाओं को विभिन्न व्यवसायों का प्रशिक्षण देने के साथ रोजगार के संसाधन भी उपलब्ध कराए जाएंगे। कार्यक्रम में राकेश कुमार शर्मा की मौजूदगी में डॉ. अल्का गौड़ ने महिलाओं से संवाद कर उनकी आजीविका गतिविधियों और आवश्यकताओं की जानकारी ली। संवाद के दौरान सामने आया कि बस्ती की महिलाएं कढ़ाई, बुनाई, छाजला निर्माण, मिट्टी के खिलौने बनाने सहित कई प्रकार के हस्तशिल्प कार्यों से जुड़ी हुई हैं। कार्यक्रम में बताया गया कि राज्य सरकार के सहयोग से इन महिलाओं को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि उनके उत्पादों की गुणवत्ता और विपणन क्षमता को बढ़ाया जा सके। आयोजकों ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद महिलाओं की ओर से तैयार उत्पादों को राज्य और केंद्र सरकार की प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे उन्हें व्यापक बाजार मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी। कार्यक्रम में समाजसेवी प्रवीण शर्मा, ओम श्रीमाल, विजय रावत तथा कृष्णा सिंगीवाल सहित कई लोग उपस्थित रहे।

सहकारी समितियों में गड़बड़ी पर सख्तीः रिकॉर्ड नहीं देने वालों पर दर्ज होगी एफआईआर

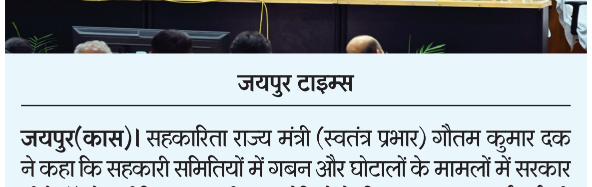

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारी समितियों में गबन और घोटालों के मामलों में सरकार जीरो टॉलरेंस नीति अपनाएगी तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि समितियों की ऑडिट और आमसभाएं तय समयसीमा में अनिवार्य रूप से करवाई जाएं। गौतम कुमार दक गुरुवार को अपेक्स बैंक सभागार में नाबार्ड एवं शीर्ष सहकारी बैंक द्वारा 'सहकारिता में सहकार' अभियान के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी समितियों की ऑडिट जून माह से पहले और आमसभाएं सितंबर से पहले पूरी की जाएं। आमसभाओं में विभागीय प्रतिनिधि की उपस्थिति, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी अनिवार्य रहेगी। मंत्री ने निर्देश दिए कि जो समितियां ऑडिट के लिए रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं करवा रही हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई जाए। गबन के मामलों में वसूली सुनिश्चित करने के साथ दोषियों और उनके परिवार की संपत्ति अटैच करने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत नए आवेदकों को ऋण उपलब्ध कराने और ऋण वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही ऋण वितरण में कमीशन लेने वाले कार्मिकों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश भी दिए। कार्यशाला में सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार डॉ. समित शर्मा ने 'म्हारो खातो, म्हारो बैंक' विषय पर चर्चा करते हुए दुग्ध सहकारी समितियों के अधिक से अधिक खाते सहकारी बैंकों में खोलने की आवश्यकता बताई। राजफेड के प्रबंध निदेशक सौरभ स्वामी ने कहा कि दुग्ध समितियों और उनके सदस्यों का लेनदेन सहकारी बैंकों के माध्यम से होना जरूरी है। वहीं नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. आर. रवि बाबू ने गुजरात के बनासकांठा मॉडल की तर्ज पर सहकारी संस्थाओं में समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यशाला में नाबार्ड, सहकारिता विभाग, डेयरी, मत्स्य पालन, अपेक्स बैंक तथा सभी केंद्रीय सहकारी बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सरदारशहर सरस डेयरी में चेयरमैन-एमडी आमने-सामने, टेंडर प्रक्रिया में भ्रष्टाचार के आरोपों पर विवाद गहराया

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के सरस डेयरी में गुरुवार को चेयरमैन लालचंद मूंड और एमडी सुरेश कुमार चौधरी के बीच टेंडर प्रक्रिया को लेकर तीखा विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर डेयरी परिसर में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा, जबकि बाहर भी लोगों की भीड़ जमा रही। यह विवाद डेयरी में गाड़ी लगाने के टेंडर सहित विभिन्न निविदाओं से जुड़ा है। चूरू जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड सरदारशहर ने दो वर्षों के लिए विभिन्न दुग्ध एवं विपणन मार्गों पर दुग्ध आपूर्ति, सुरक्षाकर्मी उपलब्ध करवाने, दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों की पैकिंग, स्टैकिंग, लीकेज कार्य, कैरेट्स की छंटाई व धुलाई, दही इक्वेशन व डिस्पैच सहित अन्य कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की थीं। इसके अतिरिक्त, 02 केएल बॉयलर क्रय एवं स्थापना तथा घी निर्माण एवं पैकिंग कार्य के लिए भी निविदा प्रक्रिया जारी की गई थी। इन निविदाओं को राजस्थान सरकार की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट पर अपलोड किया जाना था। डेयरी चेयरमैन लालचंद मूंड ने एमडी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि डेयरी में भ्रष्टाचार का प्रयास किया जा रहा है और लाखों रुपए का चूना लगाने की कोशिश हो रही है। उन्होंने पारदर्शिता पर जोर देते हुए कहा कि टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए और बिना पारदर्शिता के किसी भी कार्य को अनुमति नहीं दी जाएगी।मूंड ने यह भी कहा कि दूध उत्पादकों को डेयरी की ओर से अधिक भुगतान करना होगा तभी वह सरस डेयरी से जुड़ेंगे।वहीं डेयरी एमडी सुरेश कुमार चौधरी ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि डेयरी में सभी कार्य नियमानुसार किए जा रहे हैं और टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के तहत संचालित हो रही है। विवाद बढ़ने के बाद डेयरी परिसर में तनावपूर्ण माहौल बना रहा। पुलिस प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। इस दौरान सरदारशहर पुलिस के एसआई जगदीश प्रसाद और एएसआई अयूब खान सहित पुलिस बल तैनात रहा। इस मामले को लेकर डेयरी से जुड़े लोगों और क्षेत्र में व्यापक चर्चा का माहौल है।

पेयजल संकट पर भड़के वार्डवासी, जलदाय विभाग का घेराव कर दी आंदोलन की चेतावनी

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। भीषण गर्मी के बीच शहर में गहराते पेयजल संकट को लेकर लोगों का गुस्सा अब खुलकर सामने आने लगा है। वार्ड 34 में पिछले तीन दिनों से पेयजल आपूर्ति बाधित होने से परेशान वार्डवासियों ने गुरुवार को जलदाय विभाग कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और अधिकारियों का घेराव कर जल्द समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। पूर्व पार्षद जयप्रकाश चोटिया के नेतृत्व में बड़ी संख्या में वार्डवासी जलदाय विभाग के एक्सईएन कार्यालय पहुंचे। इस दौरान लोगों ने विभागीय अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि क्षेत्र में लंबे समय से खराब पड़े ट्यूबवेलों की सुध नहीं ली जा रही है। वार्डवासियों ने कहा कि अधिकारियों को क्षेत्र की वास्तविक स्थिति की जानकारी तक नहीं है, जिसके कारण लोगों को पानी के लिए भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि कई ट्यूबवेल बंद पड़े होने से जलापूर्ति पूरी तरह प्रभावित हो रही है। पानी का प्रेशर इतना कम है कि घरों के नलों में बूंद-बूंद पानी आ रहा है और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वार्डवासियों ने पानी के टैंकर वितरण में भी भेदभाव का आरोप लगाया। उनका कहना था कि टैंकरों की आपूर्ति प्रभावशाली लोगों तक सीमित होकर रह गई है, जबकि आम और जरूरतमंद परिवार पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं। लोगों ने विभाग से पारदर्शी व्यवस्था लागू करने की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए जलदाय विभाग के अधिशासी अभियंता ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर आश्वासन दिया कि बंद पड़े सभी ट्यूबवेलों को जल्द चालू करवाया जाएगा तथा वार्ड में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को शीघ्र दुरुस्त किया जाएगा। अधिकारियों के आश्वासन के बाद लोगों ने फिलहाल प्रदर्शन समाप्त किया, लेकिन जल्द समाधान नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

अस्थाई अतिक्रमण से जूझ रहा लक्ष्मणगढ़, बाजारों में लंबा जाम

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। शहर में बढ़ते अस्थाई अतिक्रमण के कारण आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर के प्रमुख बाजारों और व्यस्त मार्गों पर अस्थाई अतिक्रमण ने इस कदर कब्जा जमा लिया है कि राहगीरों और वाहन चालकों का निकलना तक मुश्किल हो गया है। कई बार स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि बाजारों में लंबा जाम लग जाता है और लोगों को आधे घंटे तक जाम खुलने का इंतजार करना पड़ता है।शहर का घंटाघर क्षेत्र, न्यामा बाजार, पुराना बस स्टैंड और चौपड़ बाजार जैसे प्रमुख बाजार इन दिनों अतिक्रमण की समस्या से सबसे अधिक प्रभावित हैं। सड़क किनारे अस्थाई दुकानें, ठेले, अव्यवस्थित पार्किंग और सामान फैलाकर किए जा रहे अतिक्रमण के चलते यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। जिसके चलते बाजारों में खरीदारी के लिए आने वाले लोगों सहित स्थानीय व्यापारियों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित करवाया गया, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। दूसरी ओर प्रशासन की निष्क्रियता को लेकर भी लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। इस मामले को लेकर पूर्व पार्षद विष्णु शर्मा ने कहा कि अस्थाई अतिक्रमण की समस्या को लेकर पूर्व में भी प्रशासन से कई बार बातचीत की गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि आमजन की इस गंभीर समस्या को एक बार फिर प्रशासन के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा और जल्द ही प्रभावी परिणाम देखने को मिलेंगे।

नई शराब दुकान के विरोध में प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे के वार्ड संख्या 33 में रेलवे फाटक संख्या सी-201 के पास खोली गई नई शराब की दुकान का गुरुवार को स्थानीय लोगों ने जोरदार विरोध किया। बड़ी संख्या में महिला-पुरुषों ने शराब की दुकान के बाहर प्रदर्शन कर नारेबाजी की और जिला प्रशासन एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों को संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन भेजकर दुकान को तत्काल बंद करवाने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे वार्डवासियों ने आरोप लगाया कि शराब की दुकान ऐसे स्थान पर खोली गई है, जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में विद्यार्थी, महिलाएं और आमजन आवागमन करते हैं। लोगों का कहना था कि दुकान के समीप पंडित जी शिवालय तथा दो बालाजी महाराज के मंदिर स्थित हैं, जिससे धार्मिक वातावरण भी प्रभावित होगा। वार्ड निवासी हरिओम वर्मा, सिमरन, जैतून, रोहित कत्थक, इमरान शेख, हेमंत शर्मा, रोशन, रुक्मिणी देवी एवं अलमतारा सहित अन्य लोगों ने ज्ञापन में कहा कि शराब दुकान खुलने से क्षेत्र में अशांति का माहौल बनने की आशंका है। महिलाओं और छात्राओं को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ेगा तथा सामाजिक वातावरण भी खराब होगा। वार्डवासियों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समय रहते शराब की दुकान को बंद नहीं कराया गया तो आंदोलन को उग्र रूप दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना पुलिस भी मौके पर तैनात रही। इस दौरान एसआई संजय कुमार पुलिस जाब्ते के साथ मौजूद रहे।

पांच साल पुराने केस की फाइलों पर अब नहीं जमेगी धूलः एसपी

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिले की कानून व्यवस्था को हाई-टेक बनाने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम अब पूरी तरह एक्शन मोड में हैं। बुधवार को पुलिस लाइन सभागार में आयोजित जिला-स्तरीय अपराध गोष्ठी में एसपी ने थानों की कुंडली खंगाली। उन्होंने कहा कि महिला अपराध और पुराने लंबित मामलों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि डेडलाइन तय कर 5 साल और 1 साल से पुराने केसों के लिए विशेष कार्य योजना बनाकर तुरंत निस्तारण के आदेश दिए। उन्होंने महिला सुरक्षा, बलात्कार और पोक्सो एक्ट के 2 महीने से पुराने केसों को प्राथमिकता के आधार पर बंद करने की हिदायत दी। डिजिटल पुलिसिंग थानों में नेट ग्रिड और आईटीएसएसओ पोर्टल का उपयोग अनिवार्य व डेटा फीडिंग में तेजी लाने के निर्देश दिए। एसपी ने निर्देश दिए कि जिले के टॉप-10 अपराधियों, स्थाई वारंटियों और इनामी बदमाशों की सूची टेबल पर हो और उनकी गिरफ्तारी फील्ड में दिखे। एसपी ने बरामदगी संपत्ति संबंधी अपराधों (चोरी-लूट) में माल बरामदगी और चालान का प्रतिशत बढ़ाने के निर्देश दिए। सख्त कानून एनडीपीएस (नशा), आर्म्स एक्ट (हथियार) और आबकारी अधिनियम के तहत बड़े नेटवर्क को तोड़ने पर जोर दिया। इस अवसर पर एएसपी चूरू, एएसपी राजगढ़, सुजानगढ़, त्वरित अनुसंधान सेल और एसआईयूसीएडब्ल्यू के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहित जिले के सभी वृत्ताधिकारी और थानाधिकारी उपस्थित रहे।

तीन राज्यों में भाजपा की जीत पर जयपुर में विजय उत्सव, कार्यकर्ताओं के लिए दिखाई गई 'धुरंधर' फिल्म

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत के उपलक्ष्य में भाजपा जयपुर शहर की ओर से गुरुवार को ईपी स्थित मिराज हॉल में भव्य विजय उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर उत्साहपूर्वक 'धुरंधर' फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग देखी और बाद में रैली एवं आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाया। भाजपा जयपुर शहर अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि तीन राज्यों में मिली ऐतिहासिक जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, संगठन की रणनीति और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता से कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है। कार्यक्रम के दौरान हॉल में 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से माहौल गूंज उठा। कार्यकर्ताओं ने पार्टी झंडे और तख्तियां लेकर रैली निकाली तथा आतिशबाजी कर खुशी जाहिर की। इस अवसर पर पारंपरिक झालमूड़ी का भी आयोजन किया गया। पश्चिम बंगाल चुनाव में विशेष भूमिका निभाने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, आदर्श नगर प्रत्याशी रवि नैयर, सोमकांत शर्मा एवं अशोक सैनी का दुपट्टा और पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि कैलाश चौधरी ने पश्चिम बंगाल चुनाव में संगठनात्मक रणनीति और चुनाव प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल में भाजपा के टिकट पर पांच प्रवासी राजस्थानी विधायकों की जीत पर भी खुशी जताई। इस मौके पर बालमुकुंदाचार्य, कुसुम यादव सहित जयपुर जिले के पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, नागरिक व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जेजेटी यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर स्टेडियम का किया निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। मंडावा लुमास के खेलता बढ़ता स्टेडियम में चल रही फुटबॉल ट्रेनिंग का JJT यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर डॉ मधु गुप्ता ने विजिट किया। ग्रामवासियों ने JJT यूनिवर्सिटी से आए हुए सभी टीम का स्वागत किया। टीम को स्टेडियम में चल रहे कार्य को दिखाया। ओर स्टेडियम में खेल रहे सभी बच्चों से मिलाया। डॉ मधु गुप्ता बच्चों से मिलकर बहुत खुश हुई ओर समस्त ग्राम के आयोजकों को धन्यवाद दिया कि समस्त ग्रामवासियों की ओर से बनाया गया खेल ग्राउंड झुंझुनू के ग्रामीण क्षेत्र कही नहीं मिलेगा। बच्चो को बताया कि पढ़ाई के साथ साथ खेल का होना भी बहुत जरूरी है। क्योंकि जब बच्चे खेलते है उनका शरीर बहुत अच्छा होता है।वह कभी अस्वस्थ नहीं होता ।इसलिए बच्चों को ज्यादा ज्यादा से खेल के प्रति रुचि रखनी चाहिए। बताया कि लुमाश के खेल मैदान में जितने भी बच्चे खेलने के आते है उन सबको JJT यूनिवर्सिटी में आने के लिए कहा कि आप आकर यूनिवर्सिटी ओर खेल ग्राउंड को देखे ओर पूरा दिन यूनिवर्सिटी में बिताए जिससे आपको पता चलेगा कि कौनसे समय में कहा, शिक्षा लेनी चाहिए। ओर कहा कि लुमाश में खेल रहे बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए JJT यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे बच्चों के फ्रेंडली मैच खिलाएंगे। कहा कि JJT यूनिवर्सिटी आपके साथ हर समय आपके साथ खड़ी रहेगी। इस अवसर पर्यावरण प्रेमी संजय शर्मा, सावर मल गोदारा, बाबूलाल सैनी,नरेंद्र सिंह शेखावत फौजी, दीपक कोच, कुलदीप कोच ओर समस्त खिलाड़ी का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन संस्था प्रधान स्कूल के कैलाश चंद्र जागिड़ ने किया।

विधायक सहारण ने किया फिल्म चूहरू जाट के प्री पोस्टर का विमोचन

चन्द्र फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले बनेगी चूहरू जाट हिन्दी फीचर फिल्म

- जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। चूरू विधायक हरलाल सहारण ने चन्द्र फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले बनने वाली हिन्दी फीचर फिल्म चूहरू जाट के प्री पोस्टर का विमोचन बुधवार शाम को किया। भारतीय खाद्य निगम के सामने आयोजित एक सादे समारोह में विधायक हरलाल सहारण ने प्री पोस्टर का विमोचन करते हुए कहा कि चूरू में हिन्दी का निर्माण किया जाना सराहनीय है। इससे स्थानीय कलाकारों को अवसर मिलेगा। फिल्म के निर्माता, निर्देशक और लेखक राजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि इससे पहले वे चार राजस्थानी फीचर फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। इस फिल्म के गीत गिरीश भार्गव ने लिखे हैं। संगीत संतोष कुमार नायक का है। गीतों की आवाज रघुवीर सिंह राठौड़ रूपलीसर और अनीता नायक देंगे। डीओपी विकास सक्सेना रहेंगे। संपादन प्रवेश सक्सेना की ओर से किया जाएगा। इस फिल्म में माही कटारिया और अलिसा सोनी की मुख्य भूमिका रहेगी। सहायक निर्देशक राज कुमार नायक हैं। आज यहां कार्यक्रम के शुभारंभ में निर्माता, निर्देशक और लेखक राजेन्द्र सिंह शेखावत, फिल्म के खलनायक महिपाल सिंह, दलीप कुमार शर्मा, शिवनंदन शर्मा, राहुल शर्मा आदि ने माल्यार्पण कर विधायक हरलाल सहारण का अभिनंदन किया। इस मौके पर विधायक हरलाल सहारण की टीम के अलावा दलीप सरावग, निर्मल कौशिक, कपिल चंदेल, विनोद राठी, आशीष पारीक, कैलाश पारीक, मोहम्मद अली पठान, बजरंग सैनी, पुनित सोनी, छात्र नेता प्रशांत शर्मा, श्रवण सैनी, एडवोकेट योगेन्द्र सिंह ख्याली सहित अनेक लोग मौजूद थे। शेखावत ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।